



कुंड में 5837 प्रतिमाओं का विसर्जन, जलप्रलय के बावजूद कम नहीं हुआ उत्साह

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

बारिश और खारुन नदी में बड़े हुए जलस्तर के बीच भी श्रद्धालु उत्साह और आस्था के साथ शनिवार को महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड पहुंचे। 112 बड़े आकार की गणेश प्रतिमाएं और 198 छोटी प्रतिमाओं का सम्मानपूर्वक विसर्जन किया गया। रायपुर नगर निगम की ओर से बनाए गए महादेवघाट के विसर्जन कुंड में रविवार की शाम तक 5837 से

अधिक गणेश प्रतिमाओं का विधि-विधान से जयकारों के साथ विसर्जन किया जा चुका है। अपर आयुक्त विनोद पांडे के मुताबिक, शहर की अलग-अलग गणेशोत्सव समितियों द्वारा महादेवघाट के समीप बनाए गए विसर्जन कुंड में 1437 बड़ी और छोटे आकार की 4399 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन उत्साहित माहौल में किया गया। हालांकि खारुन नदी में जलस्तर बढ़ने और पुल के ऊपर 2 फीट पानी बहने की स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने लोगों को अलर्ट कर दिया है।

आज रात जयस्तंभ चौक से निकलेंगी आकर्षक गणेश प्रतिमाओं के साथ झांकियां



गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गुंजा घाट

नगर निगम जोन 8 क्षेत्र में स्थित खारुन नदी के किनारे बनाए गए विसर्जन कुंड में रविवार सुबह जोन 6 कमिश्नरी की विसर्जन स्थल पर प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी के लिए इयूटी लगी। प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 तक विसर्जन कुंड स्थल पर विसर्जन व्यवस्था सुचारु बनाए रखने टीम डटी रही। सुबह से ही प्रतिमाएं लेकर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। मार्ग पर जलमराव के बाद भक्तों के उत्साह देखते ही बन रहा था। विसर्जन के दौरान गणपति बप्पा मोरया के जयकारों की गुंज रही। महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर प्रतिमा विसर्जन व्यवस्था पर तीन पालियों में जोनवार टीम नजर रख रही है।

आज निकलेंगी विसर्जन झांकियां, महापौर और जनप्रतिनिधि करेंगे पुष्पवर्षा

राजधानी में 28 सितंबर की रात गणेश विसर्जन झांकी धूमधाम से बाजे-गाजे के साथ निकाली जाएगी। इसके लिए शहर की गणेशोत्सव समितियां अंतिम तैयारी में जुटी हुई हैं। जयस्तंभ चौक से शहर की गणेश झांकी शुरू होगी, जहां उन्हें दोकन मिलेगा। जयस्तंभ चौक के पास नगर निगम द्वारा झांकियों के स्वागत के लिए हर बार की तरह इस बार भी आकर्षक मंच बनवाया जा रहा है। इसी मंच से सोमवार की रात महापौर मीनल चौबे, निगम सभापति सुरेंद्रनाथ राठौर, एम.आई.सी सदस्य सहित जनप्रतिनिधि और निगम के अधिकारियों के साथ गणेश झांकियों का पुष्पवर्षा का स्वागत करने मौजूद रहेंगी।

इन इलाकों से गुजरेंगी झांकियां

सोमवार शाम 6 बजे गणेश झांकियां शारदा चौक से शुरू होकर जयस्तंभ चौक, मातवीय रोड, कोतवाली चौक, सदरखाना, कंकालीपारा चौक, पुरानी बस्ती थाना तिराहा, लाखेनगर चौक, सुंदर नगर रोड और रायपुर चौक होते हुए महादेवघाट के विसर्जन कुंड स्थल पहुंचेंगी। झांकी मार्ग पर सोमवार की सुबह 6 बजे से सभी तरह के वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। इस दौरान केवल झांकी और पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को प्रवेश की अनुमति होगी।

केसरी बगीचा, डिपरापारा, श्रीलंका बस्ती के प्रभावितों को लंच पैकेट पहुंचा रहे

बारिश थमी, थोड़ी राहत, पर बस्तियों में अब भी पानी, इंटकवेल में फंसे 36 कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

रायपुर शहर की 15 लाख आबादी को पीने का शुद्ध पानी का स्टोरेज करने वाला इंटरकवेल तीन दिन से चारों ओर से पानी से घिरा है। वहां ड्यूटी पर तैनात 36 कर्मचारियों को नगर निगम का जल विभाग गोताखोरों के माध्यम से लंच पैकेट और पीने का पानी पहुंचा रहे हैं, ताकि ड्यूटी के दौरान उन्हें भूखा-प्यासा न रहना पड़े। वहीं प्लांट का काम बिना किसी अवरोध के चल रहा है। संत रविदास वार्ड में नदी तट से लगे सरोना के शक्तिनगर, डिपरापारा और चंदनीडीह श्रीलंका बस्ती में जलभराव से फंसे लोगों को शनिवार को वहां सुरक्षित निकालकर पास के स्कूल और सामुदायिक भवन में रखा गया है। जहां उन्हें रविवार को लंच पैकेट पहुंचाए गए। भाटागांव क्षेत्र के केसरी बगीचा के सेंकंड व थर्ड फ्लोर पर फंसे लोगों और खुदमुड़ा जलभराव प्रभावितों तक राहत पहुंचाने जोन 6 कमिश्नरी ने 100 लंच पैकेट लोगों तक पहुंचाए, प्रभावित इलाकों में अभी भी चुटनेभर वे ज्यादा पानी भरा हुआ है। इससे आवाजाही में लोगों को परेशानी हो रही है। ►►शेष पेज 13 पर



महादेवघाट श्मशानघाट डूबा, तीन दिन से अंत्येष्टि ठप



राजधानी का महादेवघाट स्थित श्मशानघाट खारुन नदी में उफान आने से पूरी तरह डूबा हुआ है। इसके चलते पिछले तीन दिनों से यहां अंतिम संस्कार पूरी तरह ठप पड़ा है। मुक्तिधाम में बने शेंड के सामने लंबालब पानी भरा हुआ है,

साथ ही गेट के बाहर वाली सड़क भी लंबालब है। महादेवघाट श्मशानघाट में दिवंगतों का अंतिम संस्कार कार्य में सहयोग करने वाली सामाजिक संस्था युवा पहल के दफ्तर में पानी भरने से वहां शव सुरक्षित रखने की मरच्युरी मशीन

डूब गई है। शव लाने-ले जाने का कार्य करने वाली 2 एंबुलेंस गाड़ियां जलभराव के चलते फंसी हुई हैं। संस्था के संस्थापक राहुल शर्मा के मुताबिक, शुक्रवार रात्रि से यह स्थिति महादेवघाट स्थित मुक्तिधाम परिसर में बनी हुई है। इससे अंतिम संस्कार का कार्य तीन दिन से प्रभावित है। जलभराव की स्थिति को देखते हुए आने वाले 2 दिन यह स्थिति और बनी रह सकती है। सूत्रों के मुताबिक, माधवराव सप्रे वार्ड रायपुरा स्थित महादेवघाट श्मशानगृह में प्रतिदिन औसतन 5 से 6 शव अंतिम संस्कार के लिए लाए जाते हैं, पर जलभराव होने से यहां अब अंतिम संस्कार के लिए शव नहीं लाए जा रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे कलेक्टर-निगम कमिश्नर



राजधानी के बाढ़ प्रभावित इलाकों और राहत शिविरों का रविवार को जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। वे नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वरंजन के साथ

अधिकारियों ने शिविरों रह रहे लोगों की समस्याओं की जानकारी ली। कलेक्टर संबंधित अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत दिलाने कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। राहत शिविरों में राशन सामग्री के साथ दवाइयों और कपड़ों की पर्याप्त व्यवस्था रखने कहा गया। कलेक्टर, निगम आयुक्त और सीईओ जिला पंचायत समेत अधिकारियों ने राहत शिविर में वितरित किए जा रहे भोजन को खाकर उसकी गुणवत्ता भी जांची। इसके बाद वे महादेवघाट विसर्जन कुंड गए और वहां की व्यवस्था देखी।

दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए फिर् से होगी एलओसी प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

सीबीएसई ने 2027 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के लिए लिस्ट ऑफ कैंडिडेट जमा करने का शेड्यूल जारी कर दिया है। स्कूलों ने 24 सितंबर से छात्रों की एलओसी भरना प्रारंभ कर दी है। इसके लिए आखिरी तारीख 21 अक्टूबर तय की गई है। एलओसी जमा करने की प्रक्रिया स्कूलों के जरिए पूरी होगी। इसमें छात्रों की पर्सनल जानकारी से लेकर विषयों और जरूरी डॉक्यूमेंट की जानकारी दर्ज की जाएगी। सीबीएसई ने स्कूल को निर्देश दिया है कि एलओसी सॉफ्ट करने से पहले सभी डिटेल् को अच्छी तरह चेक कर लें। सीबीएसई के अनुसार अभी कक्षा 10वीं के छात्रों के लिए जो एलओसी भरी जा रही है, वह पहली बोर्ड परीक्षा के ►►शेष पेज 13 पर



निर्धारित विषयों का रजिस्ट्रेशन स्कूलों को फॉर्म भरते समय हर एक छात्र की जानकारी सावधानी से भरनी होगी। इसमें छात्र का नाम, जन्म तिथि, जेंडर और केंटेगरी जैसी जानकारी भरनी होगी। इसके अलावा माता-पिता का पूरा नाम सही स्पेलिंग के साथ दर्ज करना होगा। छात्रों के लिए निर्धारित स्क्रीम ऑफ स्टडी के अनुसार विषयों का रजिस्ट्रेशन भी करना होगा। वहीं सीबीएसई की ओर से तय किए गए फॉर्म में छात्रों की फोटो और सिग्नेचर भी अपलोड करने होंगे।

पृथक नोटिफिकेशन और लिंक

सीबीएसई ने छात्रों को बोर्ड परीक्षा में शामिल करने के लिए स्कूलों के लिए कुछ शर्तें भी तय की हैं। स्कूल केवल अपने नियमित और बोनाफाइड छात्रों को ही परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। छात्रों को कक्षा 10वीं या 12वीं की बोर्ड परीक्षा में बैठने के लिए सीबीएसई एग्जामिनेशन बाय लॉ में निर्धारित पात्रता पूरी करनी होगी। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि प्राइवेट कैंडिडेट और सेंकंड चेंस कंपार्टमेंट कैंडिडेट के लिए ऑनलाइन फॉर्म जमा करने का लिंक अलग से जारी किया जाएगा। इन छात्रों के लिए अभी इस प्रक्रिया के तहत आवेदन नहीं करना है। संबंधित केंटेगरी के लिए अलग नोटिफिकेशन और लिंक जारी किया जाएगा।

एनआईटी में ट्रैफिक हैकथान

रायपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं तकनीक-संबंधित बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट द्वारा ट्रैफिक हैकथान 2026 का अंतिम प्रस्तुतिकरण रविवार को एनआईटी में हुआ। 17 अगस्त से 17 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन प्राप्त प्रविष्टियों की दो-स्तरीय स्कूटनी के बाद 06 प्रमुख विषयों के शीर्ष प्रतिभागियों को इस अंतिम चरण के लिए चुना गया था। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला तथा ट्रैफिक डीसीपी डॉ. अर्चना झा ने विशेष रूप से कार्यक्रम निरीक्षण किया।

37 पौवा गोवा के साथ धरा गया कोचिया

रायपुर। खमतराई थाने की पुलिस ने मुखबिर् की सूचना पर एक युवक के कब्जे से 37 पौवा गोवा स्पेशल शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत चार हजार 440 रुपए है। पुलिस ने शराब के साथ ई. सुरेश राव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से डबल्यूआरएस कॉलोनी, बालाजी चौक के पास बोरी में शराब भरकर बेचने ले जाते पकड़ा है।



रेलवे स्टेशन पर शुरू होगा प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट, देर रात यात्रियों को मिल सकेगा नाश्ता-जूस

- प्रतिष्ठित ब्रांड के खाद्य-पेय पदार्थ, यात्रियों को मिलेगा बेहतर खानपान का विकल्प

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर बेहतर, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल ने पहल की है। प्लेटफार्म-1 पर जल्द ही प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट शुरू किया जाएगा। इससे यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही प्रतिष्ठित ब्रांड के



खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध होंगे। प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट के स्टॉल आवंटन की प्रक्रिया ई-नीलामी और प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से पूरी की गई है। ►►शेष पेज 13 पर

लोकप्रिय खाद्य उत्पाद उपलब्ध होंगे

इन आउटलेट पर स्नेक्स, पेय पदार्थ और अन्य लोकप्रिय खाद्य उत्पाद उपलब्ध होंगे। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के लिए संबंधित ब्रांड के निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए डिजिटल अनुगतन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इससे विशेष रूप से सुबह और देर रात यात्रा करने वाले यात्रियों को खानपान की सुविधा मिलने में सहाय्यत होगी।

इन सुविधाओं की भी व्यवस्था

रायपुर मंडल के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की जरूरत और सुविधा के अनुसार विभिन्न प्रकार की कैटरिंग सुविधाएं उपलब्ध कराया जा रही है। इसमें चाय, बिरिचन और नाश्ते की सुविधा रहेगी। इसके अलावा दूध और दूध से बने उत्पाद व जूस और ताजे फलों से संशोधित उत्पाद इसके साथ ही प्रतिष्ठित ब्रांड के खाद्य एवं पेय पदार्थ मिलेंगे। यात्रियों की बढ़ती अपेक्षाओं और बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ओर से रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को आधुनिक, आकर्षक और गुणवत्तापूर्ण बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रायपुर में नक्सलवाद से पीड़ित युवाओं, बच्चों से चर्चा करेंगे वडनगर की बाइक यात्री

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को 20 दिवसीय जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री के जन्मस्थान वडनगर (गुजरात) से लेकर उनकी कर्मभूमि काशी (वाराणसी) के बीच निकाली गई है। इस यात्रा का एक ग्रुप 28 सितंबर को राजनांदगांव पहुंचेगा और फिर 29 सितंबर को रायपुर आएगा। यहां पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम साइंस कॉलेज में शाम को 5.30 बजे बस्तर के नक्सल पीड़ित 400 से ज्यादा युवाओं और बच्चों के साथ यह दल संवाद करेगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री

आज राजनांदगांव में प्रवेश करेगी वडनगर की बाइक यात्रा, कल रायपुर पहुंचेगी

रायपुर में होगा बड़ा संवाद

रायपुर के साइंस कॉलेज ऑडिटोरियम में वडनगर से यहां पहुंचने वाले युवा बस्तर के नक्सल पीड़ित परिवारों के युवाओं और बच्चों से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम में बस्तर ओलंपिक में शामिल होने वाले, प्रयास अकादमी के बच्चे और अन्य स्कूलों में जिनको सरकार पढ़ा रही है, उन बच्चों के साथ ही बस्तर से बाइक रैली में यहां पहुंचने वाले युवाओं में शामिल नक्सल पीड़ित परिवारों के 50 युवाओं को मिलाकर करीब 400 युवा और बच्चे कार्यक्रम में रहेंगे। इनके साथ ही संवाद होगा।



बस्तर से निकली बाइक यात्रा

भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने बताया, बस्तर संभाग से भी सेवा संकल्प बाइक यात्रा निकाली गई है। यह यात्रा आज बस्तर के कई जिलों से निकलकर जगदलपुर पहुंची है। इस यात्रा में भाजयुमो के हर जिले के 25-25 युवा बाइक में सवार होकर निकले हैं। यहां पर रात्रि विश्राम के बाद बस्तर से यात्रा 28 सितंबर को कांकेर पहुंचेगी और यहां पर रात्रि विश्राम करेगी। 29 सितंबर को यात्रा कांकेर से निकलने के बाद 29 सितंबर को सीधे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम के कार्यक्रम में पहुंचेगी।

विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा सहित प्रदेश के कई मंत्री, विधायक और सांसद रहेंगे।

वडनगर से निकली यात्रा के दस ग्रुप में से चार ग्रुप छत्तीसगढ़ के जिलों से होकर गुजरेंगे। सबसे पहली यात्रा 28 सितंबर की शाम को राजनांदगांव जिले से छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगी। यह यात्रा राजनांदगांव में भ्रमण करते हुए 29 सितंबर को दुर्ग जिले में प्रवेश करेगी। भिलाई में 11 बजे एक युवा सम्मेलन होगा। वहां से यात्रा रायपुर पहुंचेगी और यहां पर साइंस कॉलेज के ऑडिटोरियम के कार्यक्रम में यात्रा के युवा शामिल होंगे।

खबर संक्षेप

आचार्य इंद्रेश महाराज से मिले बाल पर्यावरणविद आदित्य राजे सिंह



रायपुर। राजधानी के 13 वर्षीय युवा पर्यावरणविद व बाल योगगुरु आदित्य राजे सिंह ने प्रसिद्ध कथावाचक व आध्यात्मिक संत आचार्य इंद्रेश उपाध्याय महाराज से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान आदित्य ने उन्हें तुलसी का पौधा, ‘रामराज्य’ नामक उपन्यास भेंट किया। साथ ही स्वदेशी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला इको-फ्रेंडली, खादी पर अंकित ‘वंदेमातरम’ का विशेष प्रेम भी भेंट किया। मुलाकात के दौरान आदित्य ने आचार्यजी को पांच वर्ष की आयु से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, प्रकृति के प्रति जागरूकता तथा योग के क्षेत्र में किए जा रहे अपने कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। आचार्य इंद्रेश उपाध्याय महाराज ने आदित्य की बातों को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना तथा उसके सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया। इसी दौरान आचार्यजी ने आदित्य को वृंदावन स्थित अपने आश्रम में आने का आमंत्रण भी दिया।

लिंगेज का कोयला मिल नहीं रहा, बाजार में दाम तीन हजार तक बढ़े

कोयला भी सुलगा, बढ़ गए 40 फीसदी दाम, लोहा फैक्ट्रियों तक आंच

प्रदेश के स्पंज आयरन उद्योग को मानसून के कारण लिंगेज का कोयला मिलने में परेशानी हो रही है। जरूरत के मुताबिक कोयला न मिलने के कारण उद्योगों को बाजार से कोयला लेना पड़ रहा है। बाजार में कोयले के दाम में 40 फीसदी तक का इजाफा हो गया है।

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

जो कोयला पहले 6.50 हजार रुपए टन में मिल रहा था उसके दाम बढ़कर 9.50 हजार रुपए टन हो गए हैं। ऐसे में आने वाले समय में स्पंज आयरन और सरिया के दाम में आग लग सकती है। रोलिंग मिल के काम में आने वाला विदेशी कोयला भी चार हजार रुपए टन महंगा हो गया है। प्रदेश में करीब 80 स्पंज आयरन उद्योग हैं। इनको एसईसीएल से लिंगेज का कोयला मिलता है, लेकिन मानसून में जहां तरफ कोयला खदानों में पानी भर गया है, वहीं खदानों की पहली प्राथमिकता पॉवर सेक्टर है। पॉवर सेक्टर को पहले कोयला देने के कारण उद्योगों को उनकी जरूरत के मुताबिक कोयला नहीं मिल पा रहा है। स्पंज आयरन उद्योगों के संचालकों के मुताबिक वैसे भी स्पंज आयरन उद्योग को कभी भी पूरा 100 फीसदी जरूर का कोयला लिंगेज में नहीं मिलता है। ऐसे में हमेशा बाजार से 20 से 25 फीसदी तक कोयला लेना पड़ता है, लेकिन इस समय तो बाजार से 70 से 75 फीसदी कोयला लेना पड़ रहा है।



लागत में होगा इजाफा

स्पंज आयरन के उत्पादकों के मुताबिक एक टन स्पंज आयरन बनाने में 1.6 टन कोयला लगता है। ऐसे में जबकि खुले बाजार से ज्यादा कीमत पर कोयला खरीदना पड़ रहा है तो स्पंज आयरन की लागत में 20 फीसदी तक इजाफा हो गया है। इस समय स्पंज आयरन के दाम 28 हजार रुपए टन हैं, लेकिन आने वाले समय में इसके दाम में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है।

लिंगेज का कोयला बहुत कम मिल रहा

लिंगेज का कोयला स्पंज आयरन उद्योगों को बहुत कम मिल रहा है। खुले बाजार में कोयले के दाम बढ़ने के कारण स्पंज आयरन की लागत में इजाफा हो गया है। आने वाले समय में इसके दाम बढ़ेंगे। डॉ. मनीष कुमार मंडल, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्पंज आयरन

बढ़ेंगे सरिया के भी दाम

स्पंज आयरन के दाम में इजाफा होने का बड़ा असर सरिया पर भी पड़ेगा। सरिया के दाम में भी इजाफा होगा। इस समय सरिया की बेसिक कीमत 42 हजार रुपए है। इसमें कम एमएम के लिए 6 हजार अंतर के लगते हैं। ऐसे में दाम 48 हजार रुपए हैं। इसमें 18 फीसदी जोएसटी लगता है। इसे मिलाकर दाम 56640 रुपए पहुंचता है। ये दाम प्लांट का है। थोक में इसके दाम करीब 58 हजार और चिलहर में 60 हजार रुपए टन हैं। आने वाले समय में इसके दाम में 10 से 15 फीसदी का इजाफा होने की संभावना है। सरिया जिन रोलिंग मिल में बनता है, उनका विदेशी कोयला जो इंडोनेशिया से आता है। उसके दाम भी चार हजार बढ़ गए हैं। पहले इसकी कीमत 12 हजार रुपए टन थी जो अब 16 हजार रुपए टन हो गई है। ऐसे में सरिया पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तो स्पंज आयरन के दाम बढ़ेंगे और साथ ही कोयले के दाम भी बढ़ गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 30 सितंबर को मंत्रालय में होने वाली कैबिनेट बैठक में किसानों और खरीफ सीजन से जुड़े मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा हो सकती है। सितंबर में प्रदेश के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश और ब स्त र संभाग में बने बाढ़ के हालात के बाद फसल नुकसान और राहत कार्य भी कैबिनेट के एजेंडे में आ सकते हैं। जिलों से फसल क्षति के आकलन और राहत संबंधी रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार किसानों के लिए सहायता अथवा सुआवजे को लेकर फैसला कर सकती है। हालांकि किसानों को कितनी राशि या किस आधार पर राहत मिलेगी, इसकी आधिकारिक घोषणा बैठक से पहले नहीं हुई है।

■ परिवहन विभाग ने बसों का किराया बढ़ाने का दिया प्रस्ताव



धान खरीदी की तैयारियों पर चर्चा

बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान खरीदी की तैयारियों पर चर्चा होगी। 24 सितंबर को हुई मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में खरीदी केंद्रों, बारदानों और कस्टम मिलिंग की समीक्षा हो चुकी है। इस बार किसानों की सुविधा के लिए 360 नए धान खरीदी केंद्र खोले गए हैं। साथ ही 3.64 लाख बैगल नए जूट बारदानों की व्यवस्था की जा रही है। ऐसे में कैबिनेट में खरीदी की तारीख, खरीदी केंद्रों की व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता और किसानों से जुड़ी प्रक्रिया पर निर्णय संभव है। कस्टम मिलिंग की रफ्तार भी चुनौती: 2025-26 के कस्टम मिलिंग के तहत कुल 89 लाख टन चावल जमा करने का लक्ष्य है। 24 सितंबर तक 37.50 लाख टन चावल जमा हुआ था, जबकि 51.50 लाख टन अभी जमा किया जाना बाकी है। इसकी अंतिम समयसीमा 31 मार्च 2027 है। कैबिनेट में इस प्रक्रिया को तेज करने और धान खरीदी के साथ मिलिंग व्यवस्था को चुस्त रखने पर भी चर्चा हो सकती है।

परिवहन विभाग के प्रस्ताव पर निर्णय संभव

परिवहन विभाग ने बस किराया बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया है। कैबिनेट इस पर विचार कर सकती है। प्रस्ताव में बसों की अलग-अलग श्रेणियों और यात्रा की दूरी के हिसाब से किराए में बदलाव का प्रावधान हो सकता है। कैबिनेट की चर्चा के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में बस संचालक एसोसिएशन लंबे समय से किराया बढ़ाने की मांग उठा रहे हैं। डीजल के दाम बढ़ने के साथ बसों के संचालन के अलावा मेट्रोस, स्पेयर पार्ट्स और अन्य परिचालन खर्च में भी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में मौजूदा किराए में संशोधन की मांग की जा रही है।

भगत का भाजपा पर हमला, कहा- बस्तर में विकास के नाम पर स्थानीय लोगों का विनाश तो नहीं?



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ के नवनिर्वाचित कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत ने रविवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बस्तर में विकास परियोजनाओं, कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, रोजगार और खनिज संसाधनों के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने स वा ल उठाया कि बस्तर को विकास के मुद्दे पर सरकार को घेरा

राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा में श्री भगत ने कहा, प्रदेश को कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में प्रतिदिन करीब आठ महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा, राजधानी रायपुर तक सुरक्षित नहीं है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या कारण है कि मुख्यमंत्री और सरकार का काम, नीति और नीयत इतने औसत दर्जे की क्यों है? किसी भी विभाग में हाथ डालिए, भ्रष्टाचार की सड़ांध

महसूस होती है और व्यवस्था की पोल खुल जाती है। खनिज संपदा का लाभ स्थानीय लोगों को नहीं : कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से समृद्ध प्रदेश है, लेकिन सवाल यह है कि यहां के लोगों को इसका कितना लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, स्थानीय लोगों को रोजगार के बजाय विस्थापन और व्यवस्थापन का सामना करना पड़ रहा है। सरकार रोजगार देने के दावे करती है, लेकिन यह देखना होगा कि वास्तव में प्रदेश के युवाओं को कितनी नौकरियां मिली हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पर भी निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आदिवासी समाज से आते हैं, लेकिन उनका दिल कॉर्पोरेट के लिए धड़कता है। चुनाव आयोग के सवाल का भाजपा दे रही जवाब : चुनाव आयोग को लेकर राहुल गांधी द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर श्री भगत

ने कहा, जब भी राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल करते हैं और कांग्रेस कोई सवाल उठाती है, उसका जवाब भाजपा की ओर से दिया जाता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, “चोर-चोर मौसेरे भाई” ज्ञानेश और मोदी की यारी और जनता से गद्दारी यहां नहीं चलेगी। उन्होंने कहा, संविधान ने चुनाव आयोग को स्वतंत्र बनाया है। ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयोग को एक सरकारी विभाग बना दिया है। स्मृति ईरानी को दी बधाई : भाजपा द्वारा स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ का प्रदेश प्रभारी बनाए जाने पर श्री भगत ने कहा, उन्हें बधाई देते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि उम्मीद है कि उनके आने से छत्तीसगढ़ की जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने 13 रुपए किलो शक्कर और सस्ता सिलेंडर देने के पुराने चुनावी वादों का भी जिक्र किया।

दीपक बैज के मुख्यमंत्री चेहरे पर बोले- अमी वक्त है

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर दिए गए बयान पर सुखदेव भगत ने कहा, अमी इसके लिए वक्त है। उन्होंने कहा, ‘अमी किसी का जन्म हुआ और आप उसकी शादी की बात कर रहे हैं।’ उनके इस बयान को संगठन और मविच की राजनीतिक रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन को शक्ति और सक्रिय बनाएंगे। कांग्रेस की खूबसूरती है कि यहां आंतरिक लोकतंत्र है। लोग अपनी बातें खुलकर रखते हैं। असहमति हमारा गठना है। उन्होंने कहा, कांग्रेस अधिकार, रोजगार और विकास की बात करती है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की जड़ें गहरी हैं। यहां की जनआकांक्षाओं के हिसाब से शासन में आना चाहते हैं।

वित्त मंत्री से की मुलाकात, पंडरी बस स्टैंड में ज्वेलरी पार्क की मांग



रायपुर। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख एवं अन्य क्षेत्रों की तंग गलियों में असुरक्षित माहौल में काम करने को मजबूर हैं। छत्तीसगढ़ में आज भी देश के विभिन्न प्रदेशों से सोने एवं चांदी के जेवरों का निर्माण होकर आता है, जिससे सरकार को व्यापारियों को एवं स्थानीय कारीगरों को रोजगार के अवसर कम मिलते हैं, इससे सरकार को राजस्व भी कम मिलता है। स्थानीय युवाओं और कारीगरों को यहीं पर रोजगार मिलेगा।

■ वित्त मंत्री चौधरी से मिला सराफा व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल

मंत्री को बताया गया, रायपुर में सराफा की लगभग 2500 दुकानें हैं, पर एक भी अधिकृत मैयुफैक्चरिंग पार्क नहीं है। कारीगर आज भी

सदरबाजार, सतीबाजार, बूढ़ापारा एवं अन्य क्षेत्रों की तंग गलियों में असुरक्षित माहौल में काम करने को मजबूर हैं। छत्तीसगढ़ में आज भी देश के विभिन्न प्रदेशों से सोने एवं चांदी के जेवरों का निर्माण होकर आता है, जिससे सरकार को व्यापारियों को एवं स्थानीय कारीगरों को रोजगार के अवसर कम मिलते हैं, इससे सरकार को राजस्व भी कम मिलता है। स्थानीय युवाओं और कारीगरों को यहीं पर रोजगार मिलेगा।

40 हजार का एक साथ एक स्थान पर मन की बात सुनने का विश्व रिकार्ड

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी तरुण चुच ने रविवार को रायपुर में 40 हजार लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम का प्रसारण सुना। यह एक विश्व रिकार्ड है। यह कार्यक्रम रायपुर उत्तर विधानसभा के बूथ क्रमांक 56 मंडी ग्राउंड में आयोजित किया गया था। श्री चुच ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ने का सशक्त माध्यम है, जिसके माध्यम से प्रधानमंत्री देश के कोने-कोने की प्रेरक कहानियों, जनभागीदारी और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को सामने लाते हैं।

श्री चुच ने कहा कि रायपुर में एक साथ 40 हजार लोगों द्वारा मन की बात को सुनना अपने आपमें एक विश्व रिकार्ड है, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड छत्तीसगढ़ के आधिकारिक दल द्वारा घोषित किया गया। जो छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं और जनता के उत्साह तथा प्रधानमंत्री के प्रति अटूट विश्वास को दर्शाता है।



भाजपा नेताओं ने सुनी ‘मन की बात’

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण राजधानी के देवेंद्र नगर में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने अपने निवास पर पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर सुना। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री अमित साह, प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकरे, जिला महामंत्री अमित मेशेरी, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेन, पार्टी कार्यकर्ता राहुल राव सहित भाजपा के कई प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। श्री देव ने मन की बात प्रसारण को राजनीति से परे जनसेवा का कार्यक्रम बताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर माह के अंतिम रविवार को राजनीति से ऊपर उठकर देश-विदेश के प्रेरक घटनाक्रमों, खेल गतिविधियों, युवा प्रतिभाओं और स्थानीय नवाचारों (जैसे सहजम/गुनगा और आंवला उत्पादन से किसानों को लाभ) का उल्लेख करते हैं।

लाल श्रेणी के उद्योगों को आरक्षित वन और बस्तियों से 500 मीटर दूर रहना होगा अनिवार्य

राजस्व और वनक्षेत्रों के करीब अब नहीं लगेंगे थर्मल पावर प्लांट, आयरन, स्टील, सीमेंट, केमिकल संयंत्र

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण और जनजीवन की सुरक्षा को पुख्ता करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल) ने उद्योगों और परियोजनाओं की स्थापना के लिए नए और सख्त ‘स्थल चयन मानदंड’ जारी कर दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत अब लाल श्रेणी के भारी और उच्च प्रदूषण वाले उद्योग राजस्व या वन रिकॉर्ड के तहत आने वाले आरक्षित वनों, रहवासी क्षेत्रों, शिक्षण संस्थानों और पुरातात्विक स्मारकों (हेरिटेज साइट्स) की सीमा से कम से कम 500 मीटर की दूरी पर ही शुरू किए जा सकेंगे।

विचाराधीन आवेदनों पर लागू होंगे नए प्रावधान

पर्यावरण मंडल ने स्पष्ट किया है कि इस नियम लागू होने की तिथि से, स्थापना हेतु समर्पित या संचालन हेतु समर्पित के लिए मिलने वाले सभी नए आवेदनों की जांच इन्हीं संशोधित मानदंडों के आधार पर की जाएगी। इसके अलावा, जो आवेदन पहले से विचाराधीन हैं (जिन पर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है), उन्हें भी नए नियमों के दायरे में परखा जाएगा।



क्या हैं दूरी के नए नियम : सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उद्योगों की प्रकृति और उनके प्रदूषण स्तर के आधार पर न्यूनतम दूरी के नए मानक तय किए गए हैं। इसके तहत राजस्व, वन रिकॉर्ड के अंतर्गत आरक्षित वन, रहवासी क्षेत्र, शिक्षण संस्थान



और हेरिटेज साइट की सीमा से लाल श्रेणी के उद्योग अब कम से कम 500 मीटर दूर स्थापित किए जा सकेंगे। नारंगी श्रेणी के उद्योग कम से कम 200 मीटर की दूरी पर स्थापित होंगे। हरे श्रेणी के उद्योग: कम से कम 100 मीटर की दूरी पर शुरू किए जा सकेंगे।

किस श्रेणी में कौन से उद्योग हैं शामिल

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के आधार पर इन तीनों श्रेणियों का विवरण इस प्रकार है। लाल श्रेणी- इसमें थर्मल पावर प्लांट, एकीकृत आयरन एंड स्टील, सीमेंट संयंत्र, डिस्टिलरी और बड़े केमिकल मैयुफैक्चरिंग जैसे अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले भारी उद्योग शामिल होते हैं। छत्तीसगढ़ के रायपुर (सिलतार-उरला), कोरबा, रायगढ़ और दुर्ग (मिलाई) जैसे औद्योगिक जिलों में ऐसे उद्योगों का बड़ा घनत्व है। नारंगी श्रेणी- इसके अंतर्गत मध्यम प्रदूषण स्तर वाले उद्योग आते हैं, जैसे- फूड प्रोसेसिंग, राइस मिल, प्लास्टिक रीसाइक्लिंग, छोटे इजीनियरिंग यूनिट्स और स्टोन कशर। हरी श्रेणी- इसमें कम प्रदूषण या न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव वाले छोटे और पर्यावरण के अनुकूल उद्योग आते हैं।

ख़बर संक्षेप



साक्षरता महापरीक्षा 6000 बुजुर्गों व महिलाओं ने दी

आरंग। विकासखंड आरंग में आयोजित 'उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा' जन-जन के लिए ज्ञान और स्वाभिमान का बड़ा उत्सव साबित हुई। परीक्षा को लेकर ग्रामीण अंचलों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला, जहां सदियों से निरक्षरता का दंश झेल रहे बड़े-बुजुर्गों और महिलाओं ने परीक्षा केंद्र पहुंचकर पूरे आत्मविश्वास के साथ कलम थामी। परीक्षा से पूर्व स्वयंसेवी शिक्षकों और ग्राम प्रभारियों ने परंपरा अनुसार कुमकुम-चंदन का तिलक लगाकर परीक्षार्थियों को आत्मीय निमंत्रण दिया, जिससे ग्रामीणों में इस महाअभियान के प्रति गहरा जुड़ाव देखने को मिला। निरीक्षण के दौरान रानीसागर, समोदा, खमतराई, गुखेरा, बोहारडीह, रसनी, बोहरा आदि में परीक्षा का दृश्य बेहद प्रेरणादायी रहा। यहां सास-बहू की जोड़ियों से लेकर वयोवृद्ध ग्रामीणों ने अत्यंत प्रसन्नता के साथ परीक्षा दी। परीक्षा कक्ष से बाहर निकले बुजुर्गों के चेहरों पर आत्मनिर्भरता की चमक साफ दिखाई दे रही थी। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि /"अब अंगूठा नहीं कलम चलाना है।/" ग्रामीणों ने साक्षरता के इस प्रयास को समाज के लिए बेहद नेक और जीवन बदलने वाला कार्य बताया। इस वृहद महापरीक्षा में 6000 से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए एवं सफल आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सुरेंद्र सिंह चंद्रसेन, साक्षरता नोडल अलंकार परिहार एवं डोमार वर्मा, साक्षरता प्रचार-प्रसार प्रभारी अरविन्द वैष्णव एवं महेंद्र पटेल, ग्राम प्रभारीगण, संकुल समन्वयकगण सभी के साझा प्रयासों से यह साक्षरता परीक्षा केवल एक मूल्यांकन न रहकर समाज में ज्ञान की नई रोशनी फैलाने वाला जनआंदोलन बन गई।

नवरात्रि पर तीर्थगामी ट्रेनों के नियमित संचालन की मांग

अभनपुर। शारदीय नवरात्रि पर्व को देखते हुए भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के पूर्व प्रत्याशी कमलेश साहु ने रेल प्रशासन से तीर्थगामी यात्री ट्रेनों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न शक्तिपीठों एवं देवी मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए यात्रा करते हैं। कमलेश साहु ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की सबसे अधिक आवाजाही मैहर, वैष्णो देवी, महामाया, दंतेश्वरी एवं भस्मेश्वरी धाम सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों की ओर होती है। ऐसे समय में यदि यात्री ट्रेनों को रद्द किया जाता है तो श्रद्धालुओं को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि श्रद्धालु सुविधापूर्वक और सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

आरंग। शनिवार को सेक्टर चरौदा अंतर्गत ग्राम चरौदा में आंगन मिलन सेवा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, बच्चे, माताएं और विभागीय कर्मचारी-अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पोषण प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल-सब्जियां, दालें और अनाज सहित पौष्टिक खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई गई। उपस्थित समुदाय, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को संतुलित और पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

राहत शिविर लगाने और मुआवजा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज >>> आरंग

विधानसभा आरंग क्षेत्र में लगातार भारी बारिश तथा गंगरेल बांध से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद महानदी एवं कोल्हान नाला का जलस्तर बढ़ने से दर्जनों गांव बाढ़ और जलभराव की चपेट में हैं। बाढ़ के कारण ग्रामीणों के मकान, अनाज, घरेलू उपयोग की सामग्री तथा किसानों की खड़ी फसलों को नुकसान हुआ है। स्थिति को देखते हुए आम आदमी पार्टी के नेता एवं पूर्व विधायक प्रत्याशी परमानंद जांगड़े ने कलेक्टर रायपुर को आवेदन सौंपकर प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल राहत, नुकसान का सर्वे एवं क्षति के आधार पर नियमानुसार आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की है। गंगरेल जलाशय में लगातार बढ़ती आवक के बीच 25 सितंबर को 10 गेटों से 54,950 क्यूसेक पानी छोड़े जाने तथा महानदी में 48,950 क्यूसेक पानी प्रवाहित किए जाने की रिपोर्ट सामने आई थी। इसके बाद जलाशय के सभी 14 गेट खोले जाने की भी रिपोर्ट प्रकाशित हुई। जांगड़े ने कहा कि बाढ़ का पानी केवल खेतों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों की गृहस्थी, अनाज और वर्षों की मेहनत भी प्रभावित हुई है। कई परिवारों के सामने रहने, भोजन और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे समय में राहत एवं बचाव कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

दर्जनभर गांव प्रभावित

जांगड़े ने कोल्हान नाला से भारी जल बहाव से प्रभावित गांव ग्राम गनौद, तांदुल, नारा, खमरिया, सिवनी, संडी, टेकारी, कुंडा, बड़गांव, जरौद, उमरिया, रीवा, परसदा, धमनी, कोटनी, कुकरा, नगपुरा, सकरी एवं जावा सहित महानदी से बाढ़ प्रभावित गांवों, जिसमें ग्राम निसदा, गोईदा, पारागांव, राटोकाट, बेनीडीह, गुदगुदा, आरंग, गुल्लु, चपरीद, रानीसागर, समोदा, कागदेही, चिखली, कुटेला एवं मुहमेला सहित महानदी क्षेत्र के प्रभावित गांवों में तत्काल राहत व्यवस्था एवं नुकसान का सर्वे कर बाढ़ आपदा के तहत क्षतिपूर्ति मुआवजा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

बारिश की चेतावनी जारी, शिविर लगाएं

परमानंद जांगड़े ने कहा कि प्रभावित गांवों में आवश्यकता के अनुसार अस्थायी राहत शिविर लगाकर रहने, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। मौसम विभाग द्वारा कुछ दिनों में पुनः भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। जिसके लिए एहतियातन तैयारी रखी जाए।

गंगरेल बांध के पानी से कोल्हान नाला उफान पर, कई गांवों में बाढ़ की नौबत

कई गांव जलमग्न, मंत्री वर्मा ने लिया जायजा



तरपोंगी। तरपोंगी अंचल में दो दिन पूर्व हुई मूसलाधार बारिश के चलते खारून नदी और कोल्हान नाला उफान पर आ गए हैं, जिससे तटवर्ती गांव खेरखूंट, बलौदी खुर्द, सुंगेरा, लखना, देवरी, आकोली, सगुनी, सड्डा और बेमता सहित कई इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के पानी से हजारों एकड़ में



लगी खड़ी फसलों डूब गई हैं, कई घरों में पानी भर गया है और तरपोंगी-खेरखुट कोल्हान नाले के पुल पर पानी चढ़ने से आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। किसानों के सिंचाई पाइप बहने और खलिहानों में रखा मवेशियों का चारा (पैरा) डूबने से भारी नुकसान हुआ है, जिसका अंतिम आकलन

पानी उतरने के बाद ही किया जा सकेगा। आपदा की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने बाढ़ पीड़ित परिवारों को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक स्कूलों में ठहराया है। बलौदी खुर्द में जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, सरपंच यशोदा गुनुराम साहू, उप सरपंच कमलेश साहू, सभी पंचगण, राजस्व और स्वास्थ्य

विभाग की टीम राहत एवं बचाव कार्य में लगातार जुटी हुई हैं। इस बीच, शाम 7.15 बजे कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा ग्राम बलौदी खुर्द पहुंचे, जहां उन्होंने पीड़ितों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और शासन की ओर से हरसंभव मदद व राहत पहुंचाने का आश्वासन दिया।

सत्य वाटिका कॉलोनी में गूंजे गीत, संगीत संध्या ने मोहा दर्शकों का मन

हरिभूमि न्यूज >>> गट्टिर हसौद

उदय म्यूजिकल ग्रुप रायपुर के द्वारा एक सफल, और बेहतरीन संगीत संध्या का आयोजन सत्य वाटिका कॉलोनी वार्ड क्रमांक 5, मन्दिर हसौद में किया गया। सत्य वाटिका कॉलोनी मंदिर हसौद में एक बहुत ही मेलोडियस संगीत संध्या का आयोजन किया गया। उदय म्यूजिकल ग्रुप रायपुर के डायरेक्टर उदय राज वर्मा और प्रमिला गजभिर्ण के द्वारा देवा हो देवा गीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई रानू गजभिर्ण के

द्वारा गाया सोने के नथनी लाली लुगरा दर्शकों को यह गाना बहुत ही असर कर गया भरपूर ताली और वंश मोर की आवाज लगातार गूंजती रही। संतोष बिसेन और सतीश मिश्रा ने बखूबी मंच संभाला देवेंद्र शर्मा अधिनी काशले ने हनुमान अंश पार्वती गानों की प्रस्तुतियों से खूब वाह वाही लूटी वहीं इकबाल सिंह होरा, डॉ मंजीत सिंह, अनिल देवांगन एवं सीमा वर्मा की उमदा गायकी से दर्शकों ने पुनः गानों को रिपीट करवाया जो दर्शकों को अति उत्साहित कर गया।



नवदुर्गोत्सव समिति गठित, जितेन्द्र अध्यक्ष मनोनीत

हरिभूमि न्यूज >>> आरंग

अटल विहार कॉलोनी आरंग में नवदुर्गा उत्सव समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी नवरात्रि पर्व को श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक मनाने तथा आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से समिति के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक में जितेन्द्र चन्द्राकर को सर्वसम्मति से समिति का अध्यक्ष बनाया गया। उपाध्यक्ष हेमन्त कुमार साहू एवं दिनेश साहू को बनाया गया। संरक्षक के रूप में सालिक राम साहू, सुभाष वाडियार, डॉ. कामता प्रसाद सिन्हा, प्रदीप राजपूत, अनिल सिंह ठाकुर, जन्मेजय वर्मा एवं केदारनाथ सोनी



को जिम्मेदारी दी गई।सचिव कृष्णकांत साहू एवं रामनाथ साहू, सह सचिव खम्भन साहू एवं ओमप्रकाश साहू, कोषाध्यक्ष गणेश राम साहू एवं रमेश गोस्वामी तथा उप कोषाध्यक्ष विनोद साहू एवं मनीष साहू बनाए गए। मीडिया प्रभारी एवं मंच संचालक की जिम्मेदारी चन्द्रेश तिवारी को दी गई।

प्रमुख सलाहकार के रूप में नंदु साहू, मनीष चंद्राकर, संजीव भगत एवं राजेश चंद्राकर तथा सलाहकार के रूप में ऋषभ तिवारी, टीकाराम साहू, प्रवेश सोनी एवं मनोज गुप्ता को शामिल किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

समिति के सदस्यों ने आगामी नवरात्रि एवं नवदुर्गा उत्सव को धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता एवं भव्यता के साथ आयोजित करने का संकल्प लिया। साथ ही सभी श्रद्धालुजनों एवं अटल बिहार कॉलोनीवासियों से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग एवं सहभागिता की अपील की।

स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज सहित वरिष्ठ कांग्रेसजन रहे मौजूद

पीसीसी प्रभारी सांसद भगत का धान से तौलकर किया आत्मीय स्वागत

हरिभूमि न्यूज >>> सिलयारी

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी एवं सांसद सुखदेव सिंह भगत के छत्तीसगढ़ प्रथम आमगन पर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण की ओर से जय जवान पेट्रोल पंप,में भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री दीपक बैज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में जिलेभर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं एवं पुष्पगुच्छ से प्रदेश प्रभारी श्री सुखदेव भगत जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।



स्वागत कार्यक्रम के दौरान श्री सुखदेव सिंह भगत जी को धान से तौला गया। छत्तीसगढ़ की कृषि एवं किसान संस्कृति से जुड़े इस आत्मीय स्वागत के माध्यम से रायपुर ग्रामीण कांग्रेस संगठन ने प्रदेश प्रभारी के प्रति सम्मान एवं अभिनंदन व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री शिवकुमार डहरिया, वरिष्ठ कांग्रेसजन श्रीमती अनीता शर्मा, श्री योगेंद्र शर्मा, श्री प्रवीण साहू, श्री नंदलाल देवांगन, श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा एवं श्री दुर्गेश वर्मा विपिन मिश्रा सहित अनेक वरिष्ठ नेता

उपस्थित रहे। बिरगांव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री योगेंद्र सोलंकी, अभनपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री विद्याभूषण सोनवानी, आशीष वर्मा, मोहन वर्मा ओम प्रकाश यादव, रामा यादव, गिरधारी साहू, कोमल साहू, खिलावन निषाद, अविनाश हियाल, संतोष कोसरिया, संतोष पाल, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्री जयंत साहू, श्री रोसेय्या एवं श्री रेखराम पात्रे सहित संगठन के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों, जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी, विभिन्न नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, जिला एवं जनपद पंचायत के पदाधिकारियों, सरपंचों, ग्राम एवं बूथ स्तर के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए।

मैसा में पुलिस चौकी को मंजूरी कांग्रेस के कार्यकाल में दी गई

मंदिर हसौद/आरंग। विधानसभा के गाम मैसा में नवीन पुलिस चौकी एवं 13 पदों की स्वीकृति को लेकर वर्तमान कैबिनेट मंत्री गुरु सुशवंत साहब द्वारा किए जा रहे दावों को पूर्व कैबिनेट मंत्री व आरंग के पूर्व विधायक डॉ. शि व कु मा र डहरिया ने पूरी तरह झामक, असत्य और जनता के गुमराह करने वाला बताया है। डॉ. डहरिया ने आधिकारिक शासकीय आदेश सार्वजनिक करने हुए भाजपा सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की पोल खोल दी है। पूर्व मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा, कांग्रेस सरकार और मेरे कार्यकाल के दौरान आरंग विधानसभा के हर वार्ड और हर गांव की सुरक्षा तथा विकास के लिए लगातार काम किए गए थे। उस समय अपरिहार्य कारणों व प्रशासनिक व्यवस्था के तहत चौकी का संचालन शुरू नहीं हो सका था, लेकिन पद और स्वीकृति पहले से ही आधिकारिक रूप से जारी हो चुके थे।



तरह झामक, असत्य और जनता के गुमराह करने वाला बताया है। डॉ. डहरिया ने आधिकारिक शासकीय आदेश सार्वजनिक करने हुए भाजपा सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की पोल खोल दी है। पूर्व मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा, कांग्रेस सरकार और मेरे कार्यकाल के दौरान आरंग विधानसभा के हर वार्ड और हर गांव की सुरक्षा तथा विकास के लिए लगातार काम किए गए थे। उस समय अपरिहार्य कारणों व प्रशासनिक व्यवस्था के तहत चौकी का संचालन शुरू नहीं हो सका था, लेकिन पद और स्वीकृति पहले से ही आधिकारिक रूप से जारी हो चुके थे।

सगी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म, पिता गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज >>> धरसीवा

नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली मासूम अपने ही घर में अपनों की हवस का शिकार बन गई, जिससे पूरा इलाका स्तब्ध और आक्रोशित है। पीड़िता के उच्चल भविष्य और पहचान की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आरोपी पिता का नाम व ग्राम को सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है।

धरसीवा थाना के सिलयारी पुलिस चौकी के अंतर्गत एक गांव में यह घटना बीते 18 सितंबर की है। आरोपी पिता ने इस खोफनाक कृत्य के लिए बाकायदा योजना बनाई थी। आरोपी सुबह करीब 11 बजे अपने फैक्ट्री के काम से बीच में ही घर लौट आया। घर में बच्ची

वार्ड 5 के पार्षद आसकरण ने थामा भाजपा का दामन



हरिभूमि न्यूज >>> अमनपुर

नगर पालिका परिषद अभनपुर के वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद आसकरण गिलहरे ने भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति एवं विचारधारा से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा कार्यालय अभनपुर में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि तथा विधायक इंद्र कुमार साहू विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंत्री श्री वर्मा, विधायक श्री साहू एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष भरत बैस ने पुष्पमाला एवं भाजपा का गमछा

पहनाकर आसकरण गिलहरे का भाजपा में स्वागत किया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष भरत बैस, दिलीप अग्रवाल, पार्षद रूपनारायण साहू, धनेश्वर साहू, मोना साहू, गब्बू ध्रुव, चम्पा लेदेकर, खेमराज कोसले, शिवनारायण बघेल, किशन शर्मा, वरुण राठी, लौटन गिलहरे, बृदेश्वर साहू, चेतना गुप्ता, वेदप्रकाश ठाकुर, गोयल भट्ट, सुशवंत सिन्हा, राजा राय, सागर साहू, सागर बारले, राजा राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फूलों की बारिश से हुई विघ्नहर्ता की विदाई

आरंग। श्री विघ्नहर्ता परिवार, आरंग द्वारा गणपति बप्पा की विदाई के अवसर पर भव्य श्री विघ्नहर्ता शाही विसर्जन शोभायात्रा का आयोजन किया गया। भारी बारिश के कारण पूर्व निर्धारित विसर्जन कार्यक्रम को स्थगित कर शनिवार को दोपहर 2 बजे शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा के जयकारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया।



गणेश विसर्जन पर गूंजी डीजे की आवाज, नियम को टेंगा

हरिभूमि न्यूज >>> आरंग

प्रशासनिक सख्ती और कागजी दावों के बीच आरंग में गणेश विसर्जन के दौरान सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और ध्वनि प्रदूषण के नियमों का जमकर धजियां उड़ाई गईं। शांति समिति की बैठकों में तय की गई ध्वनि सीमा और रात्रि प्रतिबंध केवल कागजों तक ही सीमित नजर आए, जिससे दिल का दौरा पड़ने और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

त्योंहार पर नियमों के उल्लंघन और कार्रवाई न होने के कारण स्थानीय नागरिकों में भारी निराशा और आक्रोश है, और लोग प्रशासनिक व्यवस्था की

प्रशान पूरी तरह नालामयाब रहा। गणेश विसर्जन के दौरान आरंग में 100 से 120 डेसिबल की खतरनाक आवाज में बेखौफ डीजे और धुमाल बजाए जाते रहे और जिम्मेदार प्रशासनिक अमला आंखें मूंदकर बैठा रहा। चिकित्सकों के अनुसार, 100-120 डेसिबल का यह तेज शोर मरीजों, बुजुर्गों और छोटे बच्चों के लिए एक जा जंजाल बन गया, जिससे दिल का दौरा पड़ने और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। त्योंहार पर नियमों के उल्लंघन और कार्रवाई न होने के कारण स्थानीय नागरिकों में भारी निराशा और आक्रोश है, और लोग प्रशासनिक व्यवस्था की

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में नए प्रभारी ने स्थानीय मुद्दों और संगठन के कामकाज पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस विधायक दल की बैठक रविवार रात नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के शांतिनगर स्थित निवास कार्यालय में हुई। बैठक में कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत शामिल हुए। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद यह उनका छत्तीसगढ़ का पहला दौरा है। बैठक में उन्होंने कांग्रेस विधायकों से परिचय लिया और प्रदेश की राजनीतिक एवं संगठनात्मक स्थिति की जानकारी ली।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कांग्रेस विधायक मौजूद रहे। नए प्रभारी ने विधायकों से उनके विधानसभा क्षेत्रों की स्थिति, स्थानीय मुद्दों और संगठन के कामकाज को लेकर जानकारी ली। साथ ही विधायकों से संवाद स्थापित करते हुए आगामी राजनीतिक गतिविधियों और पार्टी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की।

प्रदेश की राजनीतिक एवं संगठनात्मक स्थिति की जानकारी ली

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आज

बताया गया है कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सोमवार को सुबह 10 बजे राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस कार्यकारणी की बैठक लेंगे। बैठक में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक के बाद वे राजीव भवन में कनेक्ट सेंटर की बैठक लेंगे। दोपहर 2 बजे वे रायपुर जिला कांग्रेस द्वारा आयोजित विरोध मार्च में राजीव गांधी चौक से घड़ी चौक तक शामिल होंगे। 4 बजे से पुनः राजीव भवन में बैठकों में शामिल होंगे।



प्रदेश प्रभारी ने श्री भगत ने बताया कि पोलिटिकल अफेयर कमेटि की बैठक के बाद विधायकों से आगामी रणनीति और मुद्दों के संबंध में चर्चा हुई। प्रदेश में बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के संबंध में चल रहे पार्टी के आंदोलन की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वहीं वोट चोरी के मामले में कल होने वाले जिला स्तर प्रदर्शन को लेकर जानकारी दी गई। रायपुर में जिला कांग्रेस कमेटि द्वारा वोट चोरी के मामले में सोमवार को होने वाले प्रदर्शन में श्री भगत भी शामिल होंगे।

गतिविधियों का फीडबैक लिया

बताया गया है कि सोमवार को राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों, राजनीतिक मामलों की समिति, मोर्चा-प्रकोष्ठों और अनुशासन समिति के साथ बैठक भी प्रस्तावित है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इन बैठकों के जरिए प्रदेश संगठन की मौजूदा स्थिति, आगामी कार्यक्रमों और जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों का फीडबैक लिया जाएगा।

खबर संक्षेप



राष्ट्रीय गांधी महासभा के सलाहकार बने मनमोहन

रायपुर। राष्ट्रीय गांधी महासभा के संगठन विस्तार को लेकर ओडिशा के टिटलागढ़ में नवाखाई का आयोजन किया गया। इस दौरान आशा किरण ग्रुप के मालिक एवं समाजसेवी मनमोहन कुमार को राष्ट्रीय गांधी महासभा का सलाहकार नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा, समाज के योग्य लोगों की पंचायत से लेकर विधानसभा और संसद तक लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़नी चाहिए।

राष्ट्रीय गांधी महासभा के संस्थापक अध्यक्षता भगवानू नायक ने कहा, समाज को अब राष्ट्रीय स्तर पर एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ाने का समय आ चुका है। छत्तीसगढ़ से ओडिशा के टिटलागढ़ पहुंचने का उद्देश्य दोनों राज्यों सहित देशभर में निवासरत गांधी समाज के बीच सामाजिक रिश्ते और संगठन को मजबूत करना है। समारोह में पूर्व चेयरमैन भरत तांडी, इंजीनियर बीएस तांती, अर्जुन नाग, ललित कुमार, चित्तरंजन बीसी, अधिवक्ता महेश नायक, अधिवक्ता हरीश सुना सहित सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे। समारोह में समाजजनों ने सामाजिक एकाता, शिक्षा, संगठन और लोकतांत्रिक भागीदारी मजबूत करने का संकल्प लिया।

एकल नाट्य मंचन आज

रायपुर। बैंकर्स बंधु रायपुर की ओर से सिविल लाइंस स्थित वृंदावन सभागार में 28 सितंबर को रंगमंच और अभिनय प्रेमियों के लिए एकल नाट्य मंचन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कलाकार अपने अभिनय, भावनाओं और संवादों के माध्यम से अलग-अलग किरदारों और कहानियों को अपने जीवनत करेंगे। कार्यक्रम में शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि इसका उद्देश्य लोगों को मनोरंजन के साथ-साथ अभिनय और कहानी कहने की कला से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की थीम ‘अभिव्यक्ति, भावना और प्रभावशाली कहानी-कथन’ रखी गई है। आयोजकों के अनुसार, एकल नाट्य में कलाकार अकेले ही अलग-अलग किरदारों और परिस्थितियों को अपने अभिनय के जरिए प्रस्तुत करता है। संवाद, हाव-भाव, आवाज और भावनाओं के माध्यम से कहानी को दर्शकों के सामने जीवंत करने की कोशिश की जाएगी। इस दौरान दर्शकों को रंगमंच की एक अलग और प्रभावशाली शैली देखने को मिलेगी।



विसर्जन झांकियों का काफिला आज, आवाजाही के लिए ट्रैफिक रूट डायवर्ट

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

राजधानी के सार्वजनिक बड़े गणेश पंडालों से सोमवार को प्रतिमा विसर्जन झांकी निकाली जाएगी। गणेश झांकी चल समारोह को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। झांकी के दौरान भीड़ और गाड़ियों के दबाव को देखते हुए शाम छह बजे से झांकी मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान केवल झांकी में शामिल वाहन और पैदल आवाजाही करने वालों को प्रवेश की अनुमति होगी। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि जरूरी काम होने पर घर से निकलने से पहले वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें और प्रतिबंधित मार्गों पर वाहन लेकर न जाएं।

झांकी का चल समारोह शारदा चौक से शुरू होकर जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड, कोतवाली चौक, सदर बाजार, कंकालीपारा चौक, पुरानी बस्ती थाना तिराहा, लाखेनगर चौक, सुंदरनगर रोड और रायपुर चौक होते हुए महादेवघाट विसर्जन स्थल तक पहुंचेगा। इस पूरे मार्ग पर झांकियों के आगे बढ़ने के साथ यातायात को आवश्यकतानुसार डायवर्ट किया जाएगा।

ये रूट होंगे डायवर्ट

- 0 टाटीबंध की ओर से आने वाले वाहन महोबा बाजार, चौबे कालोनी, समता कालोनी, तेलघानी नाका, रेलवे स्टेशन चौक, फाफाडीह चौक होते हुए शारंगी चौक की ओर जा सकेंगे। इसके अलावा टाटीबंध से रिंगरोड नंबर-1 होते हुए पचपेड़ीनाका मार्ग का उपयोग किया जा सकेगा।
- 0 मनपुरी की ओर से आने वाले वाहन फाफाडीह चौक से रेलवे स्टेशन चौक और तेलघानी नाका होते हुए टाटीबंध की ओर जा सकेंगे। फाफाडीह चौक से शारंगी चौक, कालीबाड़ी और पचपेड़ीनाका की ओर जाने का विकल्प भी रहेगा।
- 0 तेलीबांधा की ओर से आने वाले वाहन तेलीबांधा चौक से शारंगी चौक, फाफाडीह चौक और रेलवे स्टेशन की ओर जा सकेंगे। इसके अलावा कालीबाड़ी मार्ग का भी उपयोग किया जा सकेगा।
- 0 पचपेड़ी नाका की ओर से आने वाले वाहन पचपेड़ी नाका चौक से टिकरापारा चौक, कालीबाड़ी चौक, महिला थाना, शारंगी चौक, फाफाडीह चौक होते हुए रेलवे स्टेशन तक जा सकेंगे।



इन पांच स्थानों पर पार्किंग

- ट्रैफिक पुलिस ने अलग-अलग दिशाओं से आने वाले श्रद्धालुओं को वाहनों के लिए पार्किंग स्थल भी निर्धारित किए हैं।
- 0 पंडरी - मरूटीलेख पार्किंग और राजस्थान मैदान की गलियों में वाहन पार्क किए जा सकेंगे।
- 0 सिविल लाइन्स - शारंगी मॉकेट, सौरभ मैदान और सुभाष स्टेडियम के किनारे वाहन पार्क किए जा सकेंगे।
- 0 टिकरापारा, कालीबाड़ी - सप्रे शाला मैदान, इंडोर स्टेडियम और गांधी मैदान में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।
- 0 बुढ़िगरी और समता कालोनी - मैसथन मैदान और जवाहर मॉकेट पार्किंग में वाहन खड़े किए जा सकेंगे।
- 0 बुंदरनगर और रायपुरा - लाखेनगर चौक स्थित हिंदू स्पोर्ट्स मैदान में वाहन पार्क किए जा सकेंगे।

इन प्रमुख मार्गों से आवाजाही पर रोक

शारंगी चौक से जयस्तंभ चौक, आश्रम तिराहा से शारदा चौक और जयस्तंभ चौक, सुभाष नगर चौक-मैदापारा से जयस्तंभ चौक, फायर ब्रिगेड चौक से कोतवाली, बुढ़ापारा बिलनली ऑफिस चौक से कोतवाली, लाखेनगर चौक से पुरानी बस्ती थाना, बुद्धेश्वर चौक से पुरानी बस्ती थाना तथा कंकालीपारा से सदर बाजार-कोतवाली मार्ग पर शाम छह बजे के बाद से यातायात पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

शाम छह बजे के बाद झांकी मार्ग पर न जाएं

यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि विसर्जन के दिन शाम छह बजे से झांकी चल समारोह समाप्त होने तक निर्धारित डायवर्सन और पार्किंग व्यवस्था का पालन करें। प्रतिबंधित मार्गों पर वाहन ले जाने से बचे और झुट्टी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करें। पुलिस के अनुसार यातायात व्यवस्था में बदलाव का उद्देश्य झांकी में शामिल लोगों के साथ आम नागरिकों की आवाजाही को सुरक्षित और सुगम बनाए रखना है।

267 प्रायमरी-मिडिल गर्ल्स स्कूलों में बनेंगे नए हाईटेक शौचालय

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

सरकारी मिडिल एवं प्रायमरी बालिका स्कूलों में हाईटेक शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। विकसित भारत जीरामजी अंतर्गत इसकी स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसके तहत हाईटेक शौचालय के लिए 7 लाख रुपए का बजट प्रस्ताव शामिल किया है। इस प्रस्ताव के तहत नए हाईटेक शौचालयों में यूरिन के 8 तथा 2 शौच रूम बनाए जाएंगे। इसमें वांश बेसिन, फ्लश मशीनें भी लगाई जाएंगी, वहीं शौचालयों को आकर्षक बनाने के लिए टाइल्स एवं दीवारों को अनेक रंगों से रंगा भी जाएगा।

जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन ने बताया कि ग्राम योजना सेवा संभाग के पत्र के अनुसार विकसित भारत जीरामजी अंतर्गत जिले में 267 बालिका स्कूलों का चयन हाईटेक शौचालय निर्माण के लिए किया है। इस संबंध में मानक अनुमतिपत्र स्वीकृति मिली है, जिसके तहत कार्यपालन अधिकारी आरईएस रायपुर द्वारा अनुमानित बजट 7 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं। इसमें वीबीजीरामजी अंतर्गत 5 लाख तथा 2 लाख रुपए डीएमएफ एवं गौण खनिज मद से स्वीकृत हुए हैं।



हरिभूमि सरोकार

ब्लॉकवार स्वीकृत शौचालय, सबसे अधिक आरंग में बनेगे

हाईटेक शौचालय का निर्माण की स्वीकृति सबसे अधिक आरंग क्षेत्र के स्कूलों के लिए हुआ है। इस ब्लॉक क्षेत्र में 117 प्रायमरी एवं मिडिल स्कूल स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार अमनपुर क्षेत्र में 50, धरसीवा में 45 एवं तिल्ला में 50 स्कूलों का चयन हुआ है। इस संबंध में जिला पंचायत रायपुर की सामान्य सभा में भी आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। हालांकि सामान्य सभा में कुल 262 स्कूलों का प्रस्ताव लाया गया था, वहीं बाद में अन्य 5 स्कूलों का चयन किया गया।

आदेश मिलते ही शुरू होंगे कार्य

267 बालिका स्कूलों में हाईटेक शौचालय का निर्माण होना है। इसकी स्वीकृति आदेश अभी आया नहीं है। स्वीकृति मिलते ही शौचालयों के निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

- अरुण शर्मा, जिला अधिकारी, समग्र शिक्षा विभाग

बालिकाओं को स्कूलों में झूलाघर, पेयजल छाया शेड, चिकित्सा सुविधाएं भी मिलेंगी

वीबी जीरामजी के तहत सभी चयनित स्कूलों में झूलाघर, पेयजल, छाया शेड, बाईं तथा चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था की की जा रही है। नोडल एजेंसी के रूप में जिला पंचायत रायपुर ने इसके लिए पेयजल, झूलाघर व्यवस्था के लिए लगाए गए श्रमिक का पारिश्रमिक कार्य पर व्यय को खर्च राशि में शामिल करने तथा भुगतान मस्टररॉल के माध्यम से करने के निर्देश दिए हैं, साथ ही व्यय की छायाप्रति एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र भी दफ्तर में जमा करने कहा है।

ग्रेन एटीएम में वितरण फास्ट लेकिन खराबी आने पर सुधारने प्रदेश में मैकेनिक ही नहीं

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत राशनकार्ड धारकों को पारदर्शी एवं आसानी से चावल वितरण के लिए प्रदेश के तीन जिलों में 1-1 अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम सेंटर खोले गए हैं। इन सेंटरों में कार्डधारक खुद ही बैंक एटीएम मशीन की भांति आधार या राशनकार्ड नंबर की प्रक्रिया करके मशीन से चावल प्राप्त कर रहे हैं। ये एटीएम मशीनें जरूर कार्डधारकों के लिए बड़ी राहत का काम कर रही हैं, लेकिन इन मशीनों में किसी प्रकार की अन्य खराबी या तकनीकी समस्या आ जाए तो इसे सुधारने के लिए प्रदेश में इन मशीनों से संबंधित कोई तकनीकी अधिकारी या मैकेनिक ही नहीं है, जिसके कारण मशीनों में आने वाली खराबी को सुधारने के लिए विभाग को दिल्ली से तकनीकी टीम को बुलाना पड़ रहा है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह अभी पायलट प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को सफलता मिलने के बाद ही प्रदेश में ग्रेन एटीएम सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके लिए प्रदेश में मशीनों से संबंधित ट्रेनर भी होंगे, जो सुधारने का काम करेंगे। राजधानी रायपुर के ट्रांसपोर्ट नगर बिरगांव में एक ग्रेन एटीएम मशीन लगाई गई है। यह मशीन में कुछ तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके कारण एटीएम से 3 दिनों तक चावल का वितरण भी बंद रहा।



शासकीय दायित्वों में लापरवाही

कांकेर सीएमएचओ निलंबित रविवार को जारी हुआ आदेश

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

शासकीय दायित्वों में लापरवाही बरतने के मामले में राज्य शासन ने कांकेर के जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामचंद्र ठाकुर को निलंबित कर दिया है। डॉ. ठाकुर न्यायालयीन प्रकरण में प्रभारी अधिकारी बनाए गए थे, जिससे संबंधित कार्यों में उन्होंने उदासीनता दिखाई। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने रविवार अवकाश के दिन उनका निलंबन आदेश जारी कर दिया।

कांकेर सीएमएचओ को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम, 1966 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में वे संभागीय संयुक्त संचालक बस्तर कार्यालय में अटैच रहेंगे। सीएमएचओ डा. रामचंद्र ठाकुर को न्यायालयीन प्रकरण डा. लखन जुरी विरुद्ध छत्तीसगढ़ शासन में प्रभारी अधिकारी नियुक्ति किया गया था। प्रकरण में 25 सितंबर के पहले जवाब दावा प्रस्तुत करने उन्हें निर्देशित किया गया था। जवाब दावा प्रस्तुत नहीं

न्यायालयीन प्रकरण में बनाया गया था प्रभारी अधिकारी

प्रकरण में 25 सितंबर के पहले जवाब दावा प्रस्तुत करने उन्हें निर्देशित किया गया था

किए जाने पर उन्हें उच्च न्यायालय में प्रस्तुत होकर 3 हजार रुपए जमा करने के निर्देश दिए गए थे। इस संवेदनशील जिम्मेदारी के डा. ठाकुर ने लापरवाही बरती और किसी भी प्रक्रिया को पूरा नहीं किया।

मामले के संज्ञान में आने के बाद स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों ने गंभीरता दिखाई और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के जिम्मेदार पद पर रहते हुए भी संवेदनशील न्यायालयीन प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित समयसीमा का पालन नहीं किया जाना गंभीर लापरवाही, कर्तव्य के प्रति उदासीनता एवं शासकीय दायित्वों के समुचित निर्वहन न करने के मामले में उन्हें सस्पेंड कर दिया।

online Booking:- www.tripuryatra.com

स्विया ज्योदा सबसे कम राशि पर

रघुनाथ ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)

कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर

रामेश्वरम् धाम यात्रा

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी

राशि - स्त्रीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (1-5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR- 9334, Sector-4, Kame Vihar, KOREA- Shop No. 351,352,353 S.S. Park, Power House Road

संपर्क करें:- 9165-411411

सिटी लाइव

ट्रिपल आईटी 'डिजिटल ह्यूमैनिटीज' और एमआई फॉर कल्चरल हेरिटेज पर वर्कशॉप आज

रायपुर। ट्रिपल आईटी में एआई फॉर कल्चरल हेरिटेज पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। आज संस्थान के ऑडिटोरियम में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सच्चिदानंद जोशी कुलपति भारतीय विरासत संस्थान एवं सदस्य सचिव इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली शामिल होंगे। डॉ. जोशी डिजिटल युग में सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण-चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर मुख्य वक्तव्य देंगे।

वहीं कार्यक्रम में शशांक शर्मा अध्यक्ष साहित्य परिषद छत्तीसगढ़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। श्री शर्मा छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला एवं साहित्य' विषय पर विशेष उद्घोषण देंगे। इस प्रकार कार्यक्रम में राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत के व्यापक परिप्रेक्ष्य के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की समृद्ध स्थानीय संस्कृति, कला और साहित्य को भी विशेष रूप से केंद्र में रखा जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन की परिकल्पना के अनुरूप संस्थान के बीटेक पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए किसी एक इंटरडिसिप्लिनरी माइनर का चयन अनिवार्य किया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए पांच माइनर विकल्पों में विद्यार्थियों की रुचि एवं पसंद के आधार पर 60 विद्यार्थियों ने



अध्ययन, शोध एवं इनोवेशन के खुलेंगे अवसर

डिजिटल ह्यूमैनिटीज माइनर के माध्यम से टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ह्यूमैनिटीज, लिटरेचर, हिस्ट्री, लैंग्वेज तथा कल्चर के साथ जोड़ते हुए विद्यार्थियों के लिए बहुविषयक अध्ययन, शोध एवं इनोवेशन के नए अवसर विकसित किए जाएंगे। इस दिशा में ट्रिपल आईटी नया रायपुर में सेंटर फॉर डिजिटल ह्यूमैनिटीज की स्थापना की गई है, जिसका समन्वयन डॉ. ज्योता यादव घोष द्वारा किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भविष्य के टेक्नोलॉजिस्ट को केवल टेक्नोलॉजी की समझ तक सीमित न रखते हुए मानव, समाज, संस्कृति और व्यवहार के व्यापक संदर्भ से भी जोड़ना है।

डिजिटल ह्यूमैनिटीज को चुना है, जिसके साथ ट्रिपल आईटी नया रायपुर में इस अभिनव माइनर स्ट्रीम की औपचारिक शुरुआत हो रही है। इसी अवसर पर भारत सरकार के ईडिया एआई मिशन के अंतर्गत ट्रिपल आईटी नया रायपुर में स्थापित एआई सेंटर ऑफ एक्सलेंस के तत्वावधान में एआई फॉर कल्चरल हेरिटेज विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की गई है।

इवेंट लाइव

विद्यार्थियों ने फोटोग्राफी के जरिए स्वच्छता नागरिक जिम्मेदारी और दृश्य कहानी को समझा



रायपुर। एनआईटी में दो दिवसीय वार्षिक फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह फोटोग्राफी कार्यशाला 26 सितंबर प्रारंभ हुआ, जिसका रविवार को समापन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यशाला संस्थान के क्लिक क्लब द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को फोटोग्राफी की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें एक रोचक फोटो वॉक के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में डॉ. एस. सान्याल डीन कॉरपोरेट रिलेशंस एवं रिसोर्स मोबिलाइजेशन, शुभांगी अग्रवाल अतिथि वक्ता तथा डॉ. अंकुर गुप्ता फैकल्टी इन-चार्ज क्लिक क्लब की उपस्थिति रही। कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत

सिनेमैटोग्राफी पर एक ज्ञानवर्धक सत्र से हुई। इसमें विद्यार्थियों को चलती हुई तस्वीरों की दृश्य भाषा तथा प्रभावशाली सिनेमाई फ्रेम तैयार करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों से परिचित कराया गया। इसके बाद मोबाइल फोटोग्राफी पर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें बताया गया कि स्मार्टफोन का प्रभावी उपयोग कर रचनात्मक और प्रभावशाली तस्वीरें कैसे खींची जा सकती हैं। इसके पश्चात आयोजित संपादन सत्र में प्रतिभागियों को अपनी तस्वीरों को बेहतर बनाने और उन्हें अंतिम रूप देने की मूलभूत तकनीकों से परिचित कराया गया। इसके बाद पोर्ट्रेट फोटोग्राफी पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को सीखी गई अवधारणाओं को स्वयं प्रयोग करके समझने का अवसर मिला।



फोटोग्राफी में कलर थ्योरी महत्वपूर्ण

तकनीकों सभी के दौरान विद्यार्थियों को फोटोग्राफी के विभिन्न मूलभूत पहलुओं से परिचित कराया गया। इनमें तकनीकी पहलु एवं फोटोग्राफी की विभिन्न विधाएं, नियम एवं संरचना तथा कलर थ्योरी प्रमुख रहे। इन सत्रों में प्रतिभागियों को विभिन्न फोटोग्राफी शैलियों, प्रभावी संरचना के सिद्धांतों तथा तस्वीरों को प्रभावशाली बनाने में रंगों की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। इसके पश्चात अतिथि वक्ता शुभांगी अग्रवाल ने 'द आर्ट ऑफ स्टोरीटेलिंग' विषय पर एक रोचक एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किया। उन्होंने फोटोग्राफी को कहानियों और भावनाओं को व्यक्त करने के माध्यम के रूप में उपयोग करने से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला।

इलेक्ट्रॉनिक्स लाइट, साउंड के साथ धार्मिक, पौराणिक गाथाओं, मंदिरों और भारतीय संस्कृति के होंगे दर्शन

गणेशजी की भव्य आकर्षक झांकियां निकलेंगी आज सड़कों पर रात 9 बजे से उमड़ेगा भक्तों का सैलाब

शहर में हर साल की तरह इस बार भी भव्य आकर्षक गणेश झांकियां देखने लोगों में उत्साह है। गणेश जी की भव्य आकर्षक झांकियां आज रात 9 बजे से निकलेंगी, जिसे देखने सड़कों पर भक्तों का सैलाब उमड़ेगा। राजधानी के बाहर से आने वाली भव्य आकर्षक गणेश झांकियों के आने का सिलसिला रविवार की देर रात तक चलता रहा।यह भव्य आकर्षक गणेश झांकियां आज रात 9 बजे से निकलेंगी। ये सभी झांकियां दोपहर बाद प्रशासन से हरी झंडी मिलने और रूट क्लियर होने पर शारदा चौक की ओर कूच करेंगी, जो निर्धारित मार्ग से होते हुए महादेव घाट पहुंचेंगी।

रायपुर। इस बार शहर की लगभग 50 से अधिक समितियां अलग-अलग पौराणिक और रचनात्मक थीम पर गणेश झांकियां निकाल रही हैं। इनमें मुख्य आकर्षण की झांकियों में बालाजी परिवार गणेश उत्सव समिति बूढ़ापारा की झांकी 'वीरभद्र' की थीम पर आधारित है। वहीं रठौड़ चौक समिति की झांकी भगवान कार्तिक पर आधारित विशेष पौराणिक झांकी है। इसी प्रकार गंजपारा समिति की झांकी भगवान श्री कृष्ण की होली लीला (कृष्ण भगवान होली खेल रहे हैं) की जीवंत थीम और डीडी नगर समिति की भगवान कृष्ण की रासलीला को दर्शाती झांकी सहित 50 थीम बेस्ड आकर्षक चलित झांकियां भक्ति और रोमांच से शहरवासियों को उत्साह से सराबोर करेंगी। राजनांदगांव और भिलाई की उत्सव समितियों द्वारा इस बार तैयार की गई झांकियां बेहद अनोखी और भव्य हैं। झांकियों में मुख्य रूप से धार्मिक, पौराणिक गाथाओं और समकालीन दक्षिण भारतीय संस्कृति का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा।



देर रात इन शहरों से पहुंचेंगी झांकियां

भिलाई-दुर्ग और कुमहारी की ओर से आने वाली झांकियां टाटीबंध चौक और चंदनडीह के आसपास सुरक्षित मैदानों और सर्विस रोड पर रुकी हुई हैं। वहीं धमतरी और अमनपुर रोड से आने वाली झांकियां पचपेड़ी नाका और संतोषी नगर चौक के पास रिंग रोड-1 की तरफ रोक़ा गया है। बिलासपुर और सिमगा की ओर से आने वाली झांकियां मुख्य रूप से मनपुरी, खमतराई और रावाभाटा मैदान के आसपास रुकी हुई हैं। महासमुंद और आरंग की ओर से आने वाली झांकियां तेलीबांधा और जोरा के पास रोक़ा गया है। ये सभी झांकियां आज दोपहर बाद प्रशासन से हरी झंडी मिलने और रूट क्लियर होने पर शारदा चौक की ओर कूच करेंगी। तब तक मूर्तियों और झांकी के इलेक्ट्रॉनिक सेंट्रल्स को बारिश से बचाने के लिए समितियों ने इन्हें वाटरपूफ़ तिरपालों से ढककर सुरक्षित खड़ा किया हुआ है।



ऐसे होंगे झांकियों के प्रमुख थीम और आकर्षण

राजनांदगांव की तरफ से आ रही झांकियों में इस बार दक्षिण भारतीय लोक संस्कृति और दैनंदिन आस्था पर आधारित फिल्म कानारा की थीम सबसे बड़ा आकर्षण है। इसमें पारंपरिक भूत कोला नृत्य और वराह रूप के दृश्यों को रंग-बिरंगी रोशनी और विशेष ध्वनि प्रभावों के साथ जीवंत किया गया है। पौराणिक एवं धार्मिक कथाएं पर हर साल की तरह इस बार भी भगवान शिव के विभिन्न रूप जैसे महाकाल राजा, रामायण के प्रसंग, श्रीकृष्ण लीला और भूत-प्रेत तथा अछोरी संप्रदाय की थीम पर आधारित झांकियां शामिल हैं, जो अपनी यांत्रिक कलाकारी के लिए जानी जाती हैं। आधुनिक गैलेक्सी और यूनिवर्स पंडाल डिजाइन्स थीम कुछ समितियों बहामंड और अत्याधुनिक लाइटिंग सेटअप के साथ अंतरिक्ष की बुनियाद को बप्पा के दरबार के साथ जोड़कर प्रदर्शित कर रही हैं। धार्मिक नगरी और मंदिर जगन्नाथ पुरी, कैबेरनाथ धाम और अरोध्या के राम मंदिर की भव्य पतिकृतियों की झलक भी इन झांकियों में विद्युत सज्जा के साथ देखने को मिलेगी।

नवजात बेटियों की माताओं को पौधे भेंट कर दिया सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रायपुर। नवजात बेटियों के स्वागत के साथ उनके नाम से हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने की पहल जिला चिकित्सालय के मातृत्व एवं शिशु विभाग में की गई। जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर ने मातृत्व एवं शिशु विभाग के तृतीय तल में भर्ती 10 नवजात बच्चियों की माताओं को पौधे उपहार स्वरूप भेंट किए। पौधा भेंट कर माताओं को बेटी के सम्मान के साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। दिलीप ठाकुर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बेटियों के सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता को एक साथ बढ़ावा देना है। बेटी के जन्म की खुशी को पौधा लगाने से जोड़कर समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह अभियान की तीसरी श्रृंखला थी।



कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के मुखिया एवं सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. एके मिंज मुख्य अतिथि और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीता ध्रुव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों ने नवजात बच्चियों

की माताओं को पौधे भेंट किए और इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर दिलीप ठाकुर, केआर मुदलियार, सीताराम ठाकुर, संजय कानखोजे, खिलावन चंद्राकर सहित अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहा।

आईजीकेवी में 'यूथ इनोवेशन व एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव -2026' आज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया है। आज राज्यपाल रमन डेका इस तीन दिवसीय आयोजन का शुभारंभ 11.30 बजे संस्थान के कृषि मंडपम में करेंगे। शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस अवसर पर कृषि विकास किसान कल्याण एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम तथा विधायक द्वय मोतीलाल साहू एवं अनुज शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इस यूथ कॉन्क्लेव में भाग लेने देश भर से 1200 से अधिक युवाओं ने पंजीयन कराया है। युवाओं में नवचार, उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी के व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए यूथ इनोवेशन



एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया है। “छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026” का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी तथा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के सहयोग से किया जा रहा है।

‘मेरा स्वास्थ्य, मेरा गर्व’ थीम पर नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत प्रतिभा, चरित्र व उपलब्धियों से युवा बनाएं अपनी पहचान नशामुक्त समाज से करें विकसित भारत का संकल्प पूरा

कार्नर न्यूज

रायपुर। मेरा युवा भारत कार्यक्रम एवं भारत सरकार खेल मंत्रालय द्वारा संचालित ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ अभियान के अंतर्गत ‘मेरा स्वास्थ्य, मेरा गर्व’ थीम पर रविवार को ब्रह्माकुमारीज ने शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में जागरूकता कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक युवाओं एवं आम लोगों ने सहभागिता निभाते हुए नशामुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी साविता दीदी ने कहा कि नशे से दूर रहकर प्रतिभा और उपलब्धियों के आधार पर युवा अपनी पहचान बनाएं। नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति, सामाजिक संबंधों और मानसिक सुख-शांति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है।



नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक भी करेंगे

आगे बताया कि ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें स्वयं नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित करना है। युवाओं ने संकल्प लिया

कि वह स्वयं नशे से दूर रहेंगे और कम से कम 10 लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे। अंत में मेरा भारत के जिला युवा अधिकारी अनन्य मिश्रा, ब्रह्माकुमारी संस्था की अदिति दीदी, मेरा भारत के स्वयंसेवक अपूर्वा एवं हिमांशु सहित बड़ी संख्या में युवा एवं प्रबुद्धजन शामिल हुए।

सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़ा विषय

युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित और उद्देश्यपूर्ण जीवन अपनाने का आह्वान किया। युवाओं को बताया कि नियमित ध्यान मानसिक एकाग्रता, आत्म-नियंत्रण और सकारात्मक सोच को विकसित करने में सहायक है। इस मौके पर माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्टेट डायरेक्टर अर्पित तिवारी ने कहा कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य से जुड़ा विषय नहीं बल्कि युवाओं की उत्पादकता, परिहार की सुखहाली और देश के सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़ा विषय है। विकसित भारत के निर्माण में स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कमल विहार स्थित मां कौशल्या अपार्टमेंट के रहवासियों संग हरिभूमि और आईएनएच 24x7 की टीम अपना अपार्टमेंट अपना उत्सव को सेलिब्रेट करने पहुंची, जहां लोगों ने उत्साह से टीम का स्वागत किया। बाल पासिंग गेम के बीच में बाहर होने वाली वुमन्स के नाम से पर्वी निकाली गई। इसमें किसी को पसंदीदा गीत गाने का, तो किसी को कैटवॉक करने का अवसर मिला। इस बीच पहली बार मेन्स को सुई में धागा डालने का टास्क मिला। इससे पहले अपार्टमेंट में पुरुषों को पूर्वाभ्यास करते देखकर उत्साह का वातावरण निर्मित बना।



● हरिभूमि-आईएनएच न्यूज की टीम संग मां कौशल्या अपार्टमेंट के लोगों ने सजाया अपना अपार्टमेंट अपना उत्सव

बाल पासिंग में बाहर होने वाली वुमन्स ने गाए गीत और किया कैटवॉक, मेन्स को सुई में धागा डालने का टास्क



रायपुर। अपना अपार्टमेंट अपना उत्सव की श्रृंखला में संडे को हरिभूमि और आईएनएच 24x7 न्यूज ने स्पॉन्सर शुभम के मार्ट संग इस उत्सव को यादगार बनाने का प्रयास किया। लेकिन इससे पहले अपार्टमेंट के रहवासी नौशाद अहमद, स्वदेश कटियार, हेमपाल लाल, भरत अग्रवाल, नरेन्द्र परमार, आलोक आर्या, सर्वेश मिश्रा का स्वागत पुष्पगुच्छ देते हुए किया गया। इस दायित्व को हरिभूमि प्रसार के सिटी हेड आशीष दास महंत, रिजनल इंचार्ज सुमीत कुमार महोबिया, तोरण लाल साहू, फोटोजर्नलिस्ट रमन हलवाई, आईएनएच के मो. इकराम और सोनू कुमार ने निभाया। इसके बाद लोगों को उत्सव का हिस्सा बनाते हुए एंकर साधना पांडेय ने पहले क्रम में बच्चों को चम्मच दौड़ जीतने का अवसर दिया। इसमें एक-एक करके कम होते बच्चों के बीच नाट्या यादव और विनाश्री को विजेता चुना गया।



तीन घंटे अपार्टमेंट के लोगों ने किया एंजॉय

बच्चों को म्यूजिकल चेर गेम जीतने का अवसर एंकर ने दिया। प्रति राउंड घंटी कुर्सी और बढ़ती चुनौती के बीच फैजान ने जीत दर्ज किया। जैसे ही पुरुषों को सुई में धागा डालने का टास्क मिला, वे पूर्वाभ्यास करने लगे। इस अवसर ने सभी को हंसी-ठिठोली का मौका दिया। प्रतिभागियों से करीब 10 फीट की दूरी पर धागा लिए उनके सहयोगी को खड़ा किया गया। संकेत मिलते ही वे सामने प्रतिभागी के पास पहुंचे, धागा मिलते ही उसे सुई में डालने का प्रयास तो सभी ने किया, लेकिन जीत सुफी इलियाज चिस्ती ने दर्ज की। इसके बाद ही वुमन्स के बीच बाल पासिंग गेम शुरू हुआ। म्यूजिक बंद होते ही बाहर होने वाली वुमन्स को पर्वी दी गई। उसमें लिखे टास्क को लोगों के बीच उन्होंने पूरा किया। किसी ने गीत गाए तो कोई कैटवॉक करते हुए बाहर हुई। इसमें विजेता पूनम वंदकार रही। सभी विजेताओं को गिफ्ट दिया गया।



इनका किया गया अपना उत्सव में सम्मान

हरिभूमि और आईएनएच 24x7 की इस श्रृंखला में अपार्टमेंट के रहवासियों में वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में भरत अग्रवाल एवं नरेन्द्र परमार शामिल रहे। सभी को शॉल, श्रीफल और मोमेंटो देते हुए शहर, अपार्टमेंट और हरिभूमि - आईएनएच न्यूज के संदर्भ में संवाद का कम चला। अपार्टमेंट सहित क्षेत्र में हरिभूमि समाचार पत्र घर-घर पहुंचाने वाली मां भगवती न्यूज एजेंसी के संचालक महेन्द्र साहू का भी शॉल, श्रीफल और मोमेंटो देकर सम्मान किया गया।

धर्म लाइव

गजल-गीत-संगीत की सुरमयी प्रस्तुति देकर शिक्षकों ने किया तनाव प्रबंधन



रायपुर। डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय में संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय की करियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल तथा सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति के संयुक्त तत्वावधान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तनाव प्रबंधन के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में संगीत की सुमधुर प्रस्तुतियों ने वातावरण को आनंद, ऊर्जा और सकारात्मकता से भर दिया। कार्यक्रम के मुख्य कलाकार के रूप में इंदिरा से पथारे सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता एपी शर्मा ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री शर्मा अपने भवनों एवं सुगम संगीत की प्रस्तुतियों के लिए यूट्यूब एवं इन्स्टाग्राम पर भी लोकप्रिय हैं। उन्होंने अपनी मधुर आवाज में शिव जगन्नाथ सहित विभिन्न भावपूर्ण एवं लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीके जोशी के स्वागत उद्बोधन से हुआ।

गजल और ड्रुएट सॉक्स से किया सराबोर

संगीत कार्यक्रम में चंद्रशेखर बारले ने भी अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मनोरंजन किया, जबकि बाल कलाकार पुनर्कित बारले ने पियानो पर अपनी शानदार प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में संगीत का विशेष रंग भर दिया। श्रीमती कामिनी जोशी एवं एपी शर्मा द्वारा मां भगवती गीत पर ड्रुएट प्रस्तुत किया गया। साथ ही साथ संगीत की प्रेक्षापिका डॉ. शिल्पी सोनी ने अपनी मधुर आवाज में जगजीत सिंह की गजल प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान भक्ति संगीत, वाजल एवं वाद्य संगीत की विविध प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तनावमुक्त होकर संगीत की आनंदमयी अनुभूति करने का अवसर प्रदान किया।

सिटी इवेंट

कौशल्या नाटक से ममता ने दर्शकों को किया भावुक

रायपुर। अंडमान-निकोबार के पोर्ट ब्लेयर स्थित टीएसजी ग्रेड होटल में सृजनगाथा संस्था द्वारा आयोजित 26वें अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में ममता अहार ने एकपात्रीय संगीत नाट्य कौशल्या का मंचन किया। नाटक का लेखन, निर्देशन और अभिनय ममता अहार ने स्वयं किया। प्रस्तुति में कौशल्या का रावण द्वारा हरण, विवाह, राम जन्म, राम वनगमन और राम के अयोध्या लौटने तक के प्रसंगों को दर्शाया गया। भावपूर्ण अभिनय ने दर्शकों को भावुक कर दिया। प्रस्तुति के दौरान कई दर्शकों की आंखों में आंसू छलक पड़े। सम्मेलन में रचनात्मक लेखन, निर्देशन और अभिनय के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ममता अहार को माधवराव सप्रे स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पोर्ट ब्लेयर में 19 से 26 सितंबर तक आयोजित 26वें अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया।



साहित्य समाज को संवेदनशील बनाने का माध्यम

सम्मेलन से जुड़े डॉ. जयप्रकाश मानस, प्रख्यात भाषाविद एवं स्वागताध्यक्ष डॉ. अजय पाठक और अध्यक्ष डॉ. सविता मोहन ने साहित्य और रचनात्मक लेखन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज को संवेदनशील बनाने के साथ भाषा और संस्कृति को समृद्ध करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सम्मेलन में अंडमान-निकोबार के स्थानीय साहित्यकारों के अलावा दिल्ली, गुजरात, उत्तराखंड, पंजाब, असम, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के साहित्यकारों ने भाग लिया।

दिवांबर जैन समाज ने मनाया क्षमावाणी महामहोत्सव, 'उत्तम क्षमा' का दिया संदेश

रायपुर। श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में पर्युषण महापर्व के समापन अवसर पर अध्यात्म, तप और भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किए गए। समयोपदेश वर्षायोग 2026 के अंतर्गत परम पूज्य मुनि श्री आगम सागर जी महाराज, मुनि श्री पुनीत सागर जी महाराज, ऐलक श्री धैर्य सागर जी महाराज एवं ऐलक श्री स्वागत सागर जी महाराज संसंध के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व का समापन हुआ। रविवार को तपस्वियों और सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। धार्मिक ध्वनों, बैड-बाजे और नृत्य के बीच रथ में श्रीजी को विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा के बाद जिनेंद्र प्रभु का अभिषेक एवं रिद्धि-सिद्धि शांतिधारा संपन्न हुई। इसके बाद व्रतियों और तपस्वियों का पारणा एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। दोपहर में सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में सामूहिक क्षमावाणी महामहोत्सव हुआ। कार्यक्रम में चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, मुनि संसंध के पाद प्रक्षालन और शास्त्र भेंट की गई। ऐलक श्री धैर्यसागर जी महाराज ने सामूहिक प्रार्थना कराई। जैन दर्शन के अनुसार क्षमावाणी आत्मशुद्धि और आत्मचिंतन का पर्व है। समाज के लोगों ने एक-दूसरे से 'उत्तम क्षमा-मिच्छामि दुःकृतं' कहते हुए वर्षभर की गलतियों के लिए क्षमा मांगी और आपसी बैर-भाव भुलाकर प्रेम, सौहार्द और वात्सल्य का संदेश दिया।



परमात्मा के दर्शन - चैत्यवंदन कर समाजजनों ने लिया धर्मलाम



विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास के तहत रविवार को धर्म, भक्ति और आत्मसाधना का अनुपम संगम देखने को मिला। परम पूज्य मुनिश्री संवेगवरत्न सागरजी म.सा. आदि ठाण की पावन निश्रामें सुबह चैत्य परिपाटी निकाली गई। बैड-बाजों के साथ निकली धर्मयात्रा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। चार जिनालयों में पहुंचकर श्रद्धालुओं ने जिनेंद्र देव के दर्शन, चैत्य वंदन और पूजन कर आध्यात्मिक लाम अर्जित किया। सुबह 5.30 बजे श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय से शुरू हुई चैत्य परिपाटी सबसे पहले विवेकानंद नगर स्थित श्री संभवनाथ जिनालय पहुंची। यहां भक्तांबर पाठ, दर्शन और चैत्य वंदन किया गया। इसके बाद सभी टैगोर नगर स्थित अलौकिक श्री पाशर्वनाथ जिनालय पहुंचे। मुनिभगवतों के साथ श्रद्धालुओं ने यहां भी विधि-विधान से दर्शन और वंदन किया। इसके बाद श्रद्धालु राजेंद्र नगर स्थित श्री महावीर स्वामी जिनालय और मुनिखुबत स्वामी जिनालय नवकार नगर पहुंचे। चारों जिनालयों में जिनेंद्र देव के जयकारों और भक्ति गीतों से वातावरण धर्ममय हो गया। श्रद्धालुओं के चेहरे पर भक्ति और आस्था का भाव नजर आया। राजेंद्र नगर जिनालय में संवेदना कार्यक्रम: राजेंद्र नगर जिनालय में मुंबई से आए गीत एवं संगीतकारों ने भव्य संवेदना कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। भक्ति गीतों से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। इस दौरान नवकारसी एवं साधामिक वात्सल्य का भी आयोजन किया गया, जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मंडी ग्राउंड में कथा विश्रांति से पहले भागवताचार्य इन्द्रेष जी महाराज ने श्रोताओं को सुनाई कथा

श्रीमद् भागवत कथास्थल पर लोगों ने सुनी मन की बात, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज

कार्नर न्यूज

रायपुर। व्यासपीठ से रविवार को फिर भागवताचार्य इन्द्रेष जी महाराज ने युवाओं से अपील की कि, पढ़-लिखकर यदि डाक्टर ही नहीं इंजीनियर और आईएएस बन गए तो आपको अपनी भक्ति का गोवं होगा कि मैंने इस माध्यम से ठाकुरजी को पा लिया। पहले अपने कर्म का निर्वहन करो। हम सब कलयुग में जी रहे हैं। इसलिए उसका भी सम्मान करो। कहने का तात्पर्य यह है कि अध्ययन को प्राथमिकता दो, नाम जाप कथा अध्ययन की वजह से छूट रहा यह न सोंचे, बल्कि यह टारगेट करके चलें कि 90 से 99 प्रतिशत के बीच का अंक लाना। इसके लिए पढ़ाई को यह मान कर चलें कि माला भगवान की ही जप रहे हैं तो ठाकुर जी जरूर मिलेंगे। कोई बहाना ना करें और मन व लागन से पढ़ाई करें। डिजिटल ब्राउडकास्ट के माध्यम से एक ही जगह पर सर्वाधिक लोगों ने मन की बात सुनी। रायपुर में भागवत कथा स्थल माध्यम बना। जो कि गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हुआ।



डॉक्टर बनीं और वलीनिक वृंदावन में खोला

महाराज और सांसद तरुण चुघ के माध्यम से रायपुर जिला भाजपा इकाई और आयोजन समिति को यह प्रमाण पत्र सौंपा गया। पढ़ाई और भक्ति के संदर्भ में उन्होंने बताया कि एक बालिका ने एमबीबीएस की पढ़ाई इसी माध्यम से पूरी की और डॉक्टर बनने के बाद विलनिक की वृंदावन में खोला। किसी कथा, धार्मिक या तीर्थ स्थान पर किसी को बहुत आएं दे रहे हैं तो इसका अपराध आपको ही उलट कर लगता है। कुछ लोग आज भी ऐसे हैं, जिनको पीड़ा होती है कि आखिर वह इतना खुश क्यों हैं, सुंदर क्यों हैं, तरक्की क्यों कर रहा है। ध्यान रखें समझदार, सामर्थ्यवान और तपस्वी व्यक्ति कभी किसी को बहुत आ नहीं देते हैं।



कथा में बना गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड

कथा स्थल पर उपस्थित लोगों ने मन की बात सुनी। जो गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया। महाराज व सांसद तरुण चुघ के माध्यम से रायपुर जिला भाजपा इकाई और आयोजन समिति को गोल्डन बुक की टीम ने यह प्रमाण पत्र सौंपा। सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण कथा स्थल पर श्रद्धालुओं ने भी किया। इसमें राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय कार्यालय प्रमारी तरुण चुघ, राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, मंत्री गुरु सुशवंत साहेब, विधायक राजेश गुग्रा, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा और मोतीलाल साहू श्रोता दीर्घा में मौजूद रहे।

आगामी तीन वर्ष होगी महाराज की कथा

संत युधिष्ठिर लाला, भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर, गुंजन प्रजापति भी उपस्थित रहे। कथा के सफल आयोजन का श्रेय मुख्य सेवादार गुंजन प्रजापति ने सभी श्रद्धालुजनों को दिया। जिनके भक्तिभाव से यह संभव हो पाया। उनके साथ चार सौ सेवादार, पुलिस प्रशासन, मीडिया समेत प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से सहयोगी बने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रायपुर के लिए यह सौभाग्य का विषय है। व्यासपीठ से महाराज ने बताया कि छत्तीसगढ़ वालों का अपार स्नेह है कि आज तो कथा विश्रांति करके जा रहा हूं लेकिन अगले तीन वर्ष 2027, 2028 और 2029 में कथा करने के लिए आगमन मिला।

सिटी स्पोर्ट्स

5 साल की ईरा करेंगी कॉमनवेल्थ चेंस चैंपियनशिप में प्रतिनिधित्व



रायपुर। बस्तर के बीजापुर की 5 वर्षीय नन्ही शतरंज खिलाड़ी ईरा अनी ने मलेशिया के कुआलालंपुर में 4 से 12 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली प्र ति ि ष्ठ त कों म न व ल् थ स्कूल चेंस चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की बालिका बनकर इतिहास रच दिया है। उनके बड़े भाई वेद अर्क का भी आपन सेक्शन में इस अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयन हुआ है। ईरा ने अपनी प्रतिस्पर्धी शतरंज यात्रा की शुरुआत मात्र 3 वर्ष की आयु में बीजापुर से की थी।

मात्र 5 वर्ष की आयु में एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली ईरा शतरंज के तीनों प्रतिस्पर्धी प्रारूपों क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बन गई है। इस अंतरराष्ट्रीय चयन से पूर्व, ईरा वर्ष 2025 में गुवाहाटी में आयोजित नेशनल स्कूल चेंस चैंपियनशिप (अंडर-07 बालिका वर्ग) में मात्र 4 वर्ष की उम्र में भाग लेकर इस राष्ट्रीय स्पर्धा के इतिहास की सबसे कम उम्र की प्रतिभागी बनी थीं।

सीबीएसई नेशनल स्विमिंग में राजधानी के अनंत ने जीते दो कांस्य



रायपुर। भोपाल में चल रही सीबीएसई नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में रायपुर के तैराक अनंत द्विवेदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक अंडर-14 वर्ग की 100 मीटर और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया है। अनंत के प्रदर्शन से स्कूल और खेल जगत में खुशी का माहौल है। अनंत एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल के छात्र हैं और रायपुर के इंटरनेशनल स्विमिंग पूल में एनआईएस कोच प्रमोद फरिकार के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं। चैंपियनशिप में अनंत के अभी दो और इवेंट बाकी हैं। 28 सितंबर को 50 मीटर बैकस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाय स्पर्धा में वह हिस्सा लेंगे। इन दोनों स्पर्धाओं में भी उनसे पदक की उम्मीद है। अनंत की इस उपलब्धि पर एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल के प्राचार्य और शाला परिवार की ओर से रमा सोनकर ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अनंत के आगामी मुकाबलों के लिए भी सफलता की कामना की। सीबीएसई की अंडर-14 राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में बैकस्ट्रोक और बटरफ्लाय सहित विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जाती हैं।

रायपुर संभाग ने जीता ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब



रायपुर। राजनांदगांव में संपन्न हुई 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता (2026-27) में रायपुर संभाग ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के दम पर प्रतिष्ठित ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया है। दल प्रबंधक श्री लाल बहादुर सोनकर के कुशल नेतृत्व और रणनीतिक मार्गदर्शन में रायपुर के खिलाड़ियों ने योगा, बैडमिंटन, हॉकी और क्रिकेट में शानदार खेल भावना का परिचय देते हुए संभाग को गौरवान्वित किया।

योगा स्पर्धा में रायपुर संभाग ने अपना दबदबा कायम रखते हुए ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया और 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक तथा बालिका, सभी 6 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जिसमें से 36 में से 33 खिलाड़ियों ने आगामी राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए चयन हासिल किया। बैडमिंटन के 14 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर की टीम ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि 14 वर्ष बालक वर्ग में टीम ने रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही हॉकी स्पर्धा के 17 वर्ष बालक वर्ग में खिलाड़ियों ने कड़ा संघर्ष दिखाते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया, वहीं क्रिकेट स्पर्धा के 19 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर संभाग की टीम ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करते हुए अनुशासित और सराहनीय खेल का प्रदर्शन किया। टीम मैनेजर श्री लाल बहादुर सोनकर ने इस ऐतिहासिक सफलता पर सभी खिलाड़ियों, कोच एवं सहायकों को बधाई देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर चर्यन्त खिलाड़ियों को आगामी स्पर्धाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

मस्तिष्क और शरीर का गहरा संबंध कभी न करें नजरअंदाज

जब दिमाग थकता है तो शरीर देता है चेतावनी के संकेत, इसकी अनदेखी पड़ सकती है भारी

क्या आप जानते हैं कि जिस तरह से लगातार काम और शारीरिक मेहनत करने के कारण हमारा शरीर थक जाता है, ठीक उसी तरह से हमारे दिमाग को भी अत्यधिक थकान महसूस होती है? आमतौर पर हम सभी शरीर की थकान, थकावट और उससे जुड़ी समस्याओं पर तो तुरंत ध्यान दे लेते हैं, परंतु दिमाग की मानसिक थकान को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। मानसिक थकान का असर केवल सोचने और ध्यान लगाने की क्षमता तक ही सीमित नहीं रहता। लगातार बने रहने वाले मानसिक तनाव के कारण नींद खराब होने, सिरदर्द, स्वभाव में चिड़चिड़ापन और पूरे शरीर में दर्द जैसी गंभीर शारीरिक परेशानियां भी उत्पन्न हो सकती हैं।

दिनभर का अत्यधिक काम, लगातार मोबाइल और लैपटॉप जैसे डिजिटल स्क्रीन को देखते रहना, एक साथ कई चीजों के बारे में सोचते रहना तथा पर्याप्त आराम न मिल पाने के कारण सिर्फ शरीर ही नहीं, बल्कि हमारा दिमाग भी पूरी तरह थक जाता है। इसका प्रत्यक्ष असर आपके पूरे शरीर की कार्यप्रणाली पर दिखाई देने लगता है। कई बार आपको महसूस होता है कि आप आलसी हो गए हैं या शारीरिक रूप से थक गए हैं, लेकिन असल में लगातार बना रहने वाला मानसिक दबाव



और नींद की कमी ही थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों में खिंचाव और अनिद्रा जैसी दिक्कतें पैदा करती है। तनाव की स्थिति में हमारा शरीर लगातार सतर्क और सक्रिय रहने की मुद्रा में बना रहता है, जिससे शारीरिक ऊर्जा तेजी से समाप्त होने लगती है।

मानसिक थकान के लक्षण: जब दिमाग और शरीर देने लगे जवाब

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मानसिक थकान का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि दिमाग काम ही नहीं करना चाहता। वास्तव में इसका गहरा असर आपकी सोचने-समझने की क्षमता, ध्यान केंद्रित करने, पुरानी या नई चीजों को याद रखने और रोजमर्रा के सामान्य कार्यों को पूरा करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि ऐसे संकेत आपके जीवन में लगातार बने रहें, तो इन्हें केवल सामान्य तनाव मानकर नजरअंदाज करने की भूल बिल्कुल नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इस थकान के पीछे नींद की कमी के अलावा अन्य शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं भी जिम्मेदार हो सकती हैं।

जब दिमाग लंबे समय तक तनाव और दबाव में रहता है, तो इसका सीधा असर शरीर की मांसपेशियों पर पड़ता है। इसके कारण आपको मुख्य रूप से गर्दन, कंधे और जबड़े की मांसपेशियों में अत्यधिक खिंचाव



और अकड़न महसूस हो सकती है। इसके साथ ही आपको लगातार सिरदर्द रहने या सिर भारी लगने की समस्या भी सता सकती है। लंबे समय तक तनाव की स्थिति बनी रहने पर मांसपेशियों का यह खिंचाव आगे चलकर गर्दन और पीठ के पुराने दर्द को और अधिक बढ़ा सकता है।

मानसिक रूप से अत्यधिक थके होने के कारण आपको रात में अच्छी और सुकून भरी नींद लेने में भी काफी कठिनाई हो सकती है। मन में लगातार चलते रहने वाले विचारों, चिंता और मानसिक तनाव के कारण समय



पर सोने में दिक्कत आती है या फिर रात में बार-बार नींद टूटने की समस्या होने लगती है। नींद की यह निरंतर कमी आगे चलकर शारीरिक थकान, स्वभाव में चिड़चिड़ापन और काम में ध्यान लगाने की परेशानी को कई गुना और बढ़ा देती है।

मानसिक थकान का एक बहुत ही आम और प्रमुख संकेत यह भी है कि आपका ध्यान बहुत जल्दी भटकने लगता है। रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातें याद रखने में परेशानी होने लगती है और किसी भी एक काम पर ध्यान केंद्रित कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। चिकित्सा और आम भाषा में इस स्थिति को 'ब्रेन फॉग' (मस्तिष्क की धुंधलाहट) कहा जाता है।

कैसे पाएं इस मानसिक थकावट से राहत?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, मानसिक थकान की इन गंभीर दिक्कतों को कम करने और मस्तिष्क को पुनः ऊर्जावान बनाने के लिए प्रतिदिन पर्याप्त व गुणवत्तापूर्ण नींद लेना।

कबड्डी टीम के लिए दिखाया 90 खिलाड़ियों ने दमखम

दुर्ग। दुर्ग जिला कबड्डी संघ के तत्वावधान में जिला स्तरीय जूनियर (बालक) वर्ग की चयन ट्रायल स्पर्धा शासकीय विज्ञान महाविद्यालय (साइंस कॉलेज) दुर्ग के मैदान में उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। ट्रायल में दुर्ग जिले के चारों विकासखंडों — धमधा, पाटन, दुर्ग ग्रामीण एवं दुर्ग नगर निगम क्षेत्र से लगभग 90 युवा खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। सभी खिलाड़ियों का फिटनेस, रेड, टैकल एवं टीम वर्क के आधार पर चयनकर्ताओं द्वारा बारीकी से मूल्यांकन किया गया। इस ट्रायल से चयनित होने वाले खिलाड़ी आगामी 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य जूनियर (बालक) कबड्डी चैंपियनशिप



2026-27 में दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 4 से 6 अक्टूबर 2026 तक जिला कबीरधाम के गांधी मैदान कवर्धा में आयोजित होने जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ रोहित मिरी (खेल प्रभारी, सीएसवीटीयू भिलाई), लक्ष्मेन्द्र कुमार कुलदीप (क्रीड़ा अधिकारी, साइंस कॉलेज दुर्ग), राजेन्द्र कुमार देशमुख (महासचिव, छत्तीसगढ़ पैरा कबड्डी एसोसिएशन एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी) विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता टीकेश्वरी देशमुख (कार्यकारी अध्यक्ष, दुर्ग जिला कबड्डी संघ) ने की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भरत लाल ताम्रकार (प्रशिक्षक, खेलो इंडिया लघु केंद्र अंडा), संतोष चंद्राकर, मुकेश वर्मा, रामदास यादव, दीपक यादव, दीपक विश्वकर्मा, नवीन देशमुख, मोहित साहू, जेबा खान सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षक एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

एशियाड से लेकर स्थानीय मैदान तक, सुनहरा भविष्य बनाने खेल आपको देता है बेहतर करियर

खेलोगे कूदेगे तो बनोगे खराब, पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब यह उक्ति दशकों तक भारतीय समाज में संस्कारों और प्राथमिकताओं का आधार बनी रही। किंतु आधुनिक भारत के परिदृश्य में यह पुरातन धारणा पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। वर्तमान समय का भारत केवल पुस्तकीय ज्ञान और अध्ययन कक्षों तक सीमित नहीं है; अब देश का युवा खेल के मैदानों पर भी सफलता और स्वाभिमान का नया इतिहास रच रहा है। इन दिनों एशियाई खेल चल रहे हैं। भारत के खिलाड़ी भी सफलता का परचम

लहरा रहे हैं। ऐसे में खेल के प्रति अपने करियर को लेकर युवाओं को गंभीर हो जाना चाहिए। क्योंकि बाल्यकाल से ही बच्चों में क्रीड़ा के प्रति प्राकृतिक रुझान और उत्साह होता है। पूर्व के वर्षों में जहाँ शैक्षणिक दबाव और सामाजिक उपेक्षा के कारण खेल का जुनून पीछे छूट जाता था, वहीं आज यह न केवल आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम है, बल्कि एक अत्यंत आकर्षक, सुरक्षित, प्रतिष्ठापूर्ण और फलदायी जीवनवृत्ति के रूप में स्थापित हो चुका है। तकनीकी क्रांति, 'खेलो इंडिया' जैसे



जमीनी स्तर के अभियानों और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं के अभूतपूर्व विस्तार ने भारतीय खेल जगत की रूपरेखा

को आमूल-चूल बदल दिया है। आज का क्रीड़ा क्षेत्र केवल पदक जीतने या राष्ट्रीय गौरव प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह खरबों रुपये के एक विशाल आर्थिक तंत्र का रूप ले चुका है, जो प्रतिवर्ष लाखों युवाओं को आजीविका और स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। क्रीड़ा क्षेत्र में एक सफल और स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए व्यवस्थित और चरगबद्ध दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है: प्रथम चरण अपनी नैसर्गिक रुचि और शारीरिक दक्षता को पहचान करना है। जिस

खेल के प्रति आपके भीतर आंतरिक आकर्षण और ऊर्जा हो, उसी को अपनी मुख्य शक्ति बनाएं। केवल उत्साह से सफलता का शिखर प्राप्त नहीं होता। आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी युग में मान्यता प्राप्त खेल अकादमियों, प्रादेशिक स्तर के संस्थागत क्लबों और प्रमाणित प्रशिक्षकों के संरक्षण में नियमित, अनुशासित और वैज्ञानिक पद्धतियों से अभ्यास करना अत्यंत आवश्यक है। मैदानी खेल के साथ-साथ प्रासंगिक शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



राष्ट्रीय साइकिल पोलो कप जम्मू में छत्तीसगढ़ का जलवा

भिलाई। जम्मू में आयोजित हो रही प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साइकिल पोलो प्रतियोगिता के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल कौशल और उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करते हुए बड़ी सफलताएं हासिल कीं। साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया की ऐडहॉक कमेटी के चेयरमैन विनायक राव चन्नावार ने बताया कि साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 26 से 29 सितंबर तक आयोजित 20वीं सीनियर मेन्स फेडरेशन कप एवं 16वीं विमेन्स फेडरेशन कप प्रतियोगिता में दूसरे दिन छत्तीसगढ़ का दबदबा कायम रहा। छत्तीसगढ़ की बालक और बालिका दोनों ही टीमों ने अपने-अपने लीग मुकाबलों में आक्रामक खेल और बेहतरीन रणनीति का परिचय देते हुए दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। प्रतियोगिता के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ दल के कुल चार मुकाबले (दो बालक एवं दो बालिका वर्ग) खेले गए।

बालिका वर्ग में एकतरफा जीत

बालिका वर्ग में छत्तीसगढ़ की खिलाड़ियों ने एकतरफा खेल दिखाते हुए अपने दोनों लीग मैचों में विरोधी टीमों को पस्त कर



दिया। पहला मुकाबला (बनाम उत्तर प्रदेश): छत्तीसगढ़ की बालिका टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और उत्तर प्रदेश की टीम को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। पूरे मैच में दबदबा बनाते हुए छत्तीसगढ़ ने 15-1 के विशाल गोल अंतर से जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला (बनाम पश्चिम बंगाल): पश्चिम बंगाल के खिलाफ खेले गए दूसरे मैच में भी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। मैच के अंतिम क्षणों तक खेल इस मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने 13-1 से एकतरफा विजय हासिल की।

बालक वर्ग की जुझारू शैली ने दिल जीता

बालक वर्ग में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने जबरदस्त जुझारूपन और आक्रामकता का प्रदर्शन किया। पहला मुकाबला (बनाम उत्तर प्रदेश): उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेले गए पहले मैच में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने बेहतरीन ड्रिबलिंग और पासोज का मुजाहिदा करते हुए 8-3 से मुकाबला अपने नाम किया। दूसरा मुकाबला (बनाम प्रादेशिक सेना): प्रादेशिक सेना की मजबूत टीम के खिलाफ खेला गया यह मैच अत्यंत रोमांचक और कड़ा रहा। दोनों टीमों के बीच अंतिम पलों तक कांटे की टक्कर देखने को मिली। बेहद कड़े संघर्ष के बाद प्रादेशिक सेना ने 6-5 के मामूली अंतर से जीत हासिल की, हालांकि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों की जुझारू शैली ने सभी का दिल जीत लिया।

अगले दौर के मुकाबले आज से

छत्तीसगढ़ की इस शानदार सफलता पर छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों (कोच) एवं खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है। उन्होंने खिलाड़ियों की खेल भावना, अनुशासन और जुझारूपन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें आगामी चरण के मुकाबलों के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के अगले दौर के महत्वपूर्ण मैच 28 सितंबर को सुबह से खेले जाएंगे।



रायपुर बाजार

Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।

संपर्क करें
मो. 6263818152, 7067183593

पैसा चाहिए? हमारे पास आइए

(केवल विजनेस लोन)
एजेंट आमंत्रित
न्यूनतम कागजी कार्यवाही 5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
मोटवानी फायनेंस
गली नं. 03, सिन्धी कॉलोनी, तेलीबाग, रायपुर
93404-44755
100 किश्तों में पटाइये

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

टॉम संग सबरीना और मार्गरेट की एंट्री, बायोपिक का रहेगा इंतजार

हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता टॉम हॉलैंड जल्द ही पर्दे पर महान नर्तक और अभिनेता फ्रेड एस्टेयर का किरदार निभाते हुए नजर आने वाले हैं। सोनी पिक्चर्स की इस बहुप्रतीक्षित जीवनी आधारित फिल्म में अब 'द सबस्टेंस' की स्टार मार्गरेट क्वाली और ग्रैमी विजेता सबरीना कारपेंटर की भी आधिकारिक प्रविष्टि हो गई है। हालांकि फिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है।

फिल्म में टॉम हॉलैंड फ्रेड एस्टेयर का किरदार निभाएंगे। वहीं, मार्गरेट क्वाली उनकी बहन और शुरुआती नृत्य सह-कलाकार एडेल एस्टेयर की भूमिका में नजर आएंगी। सबरीना कारपेंटर फिल्म में फ्रेड एस्टेयर की मशहूर ऑन-स्क्रीन डॉस पार्टनर जिंजर रोजर्स का किरदार निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन पॉल किंग करेंगे और इसके निर्माण की जिम्मेदारी एमी पास्कल संभाल रही हैं। पॉल किंग ने स्टीवन लेर्वेसन के साथ मिलकर फिल्म की कहानी लिखी है। यह फिल्म कैथलीन रिले की किताब 'द एस्टेयर्स: फ्रेड एंड एडेल' पर आधारित है। फ्रेड और एडेल एस्टेयर ने ब्रॉडवे और लंदन के वेस्ट एंड पर बतौर डॉस जोड़ी काफी नाम कमाया था। इसके बाद फ्रेड एस्टेयर फिल्मों की दुनिया के मशहूर म्यूजिकल स्टार बने। खास तौर पर जिंजर रोजर्स के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया। दोनों ने 'द गे डिबोर्सी', 'टॉप हैट' और 'स्विंग टाइम' जैसी फिल्मों में साथ काम किया। फ्रेड एस्टेयर ने अपने करीब सात दशक लंबे करियर में 30 से ज्यादा म्यूजिकल फिल्मों में काम किया। इसके अलावा उन्होंने ब्रॉडवे और वेस्ट एंड पर भी अपनी पहचान बनाई।

टॉलीवुड

'जेलर 2' में नया गीत 'वन सन, वन मून' हुआ जारी, बरकरार है रजनी का जलवा

साल 2023 में आई एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'जेलर' को लोगों ने काफी पसंद किया था। अब मेकर्स लगभग तीन साल बाद इसका दूसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं। रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' का नया गाना 'वन सन, वन मून' रिलीज हो गया है। रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जेलर 2' अगले महीने अक्टूबर में रिलीज होने के लिए तैयार है। ऐसे में फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स लगातार इसके गाने जारी कर रहे हैं। हाई-एनर्जी गाने 'अला बोलेली' के बाद अब फिल्म का दूसरा गाना 'वन सन, वन मून' का लिरिकल वीडियो यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है। 'वन सन, वन मून' में रजनीकांत की विरासत और उनके स्टारडम को दिखाया गया है। इस लिरिकल वीडियो में 'जेलर' के सीक्वल से रजनीकांत की कुछ नई झलकियां भी देखने को मिलती हैं। फिल्म 'जेलर 2' के गाने 'वन सन, वन मून' को अनिरुद्ध रविचंद्र ने कंपोज किया है। इसे अनिरुद्ध और एमएस कृष्णा ने गाया है। गाने के बोल हाइजेनबर्ग और सुपर सुबू ने लिखे हैं। रजनीकांत की फिल्म के नए गाने 'वन सन, वन मून' को देखने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं भी दी हैं। एक शख्स ने लिखा कि थलाइवर की बात हो तो अनिरुद्ध पागल हो जाते हैं। एक अन्य ने लिखा कि वन सन, वन मून, वन अनिरुद्ध। वहीं तीसरे यूजर ने लिखा कि रॉंगटे खड़े होना तय है। 'जेलर 2' को लेकर बड़ी चर्चा का असर दूसरे फिल्ममेकर्स के रिलीज प्लान पर भी पड़ा है। हाल ही में अभिनेता धनुष ने घोषणा की कि उनकी आने वाली फिल्म 'ओम: चैप्टर 1' 16 अक्टूबर को रिलीज नहीं होगी। इस फिल्म में ममूटी भी नजर आएंगे। उन्होंने रजनीकांत की 'जेलर 2' से क्लैश से बचने के लिए फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

भोजपुरी

आम्रपाली का मूक अवतार और भक्ति की अलौकिक शक्ति 'मां शीतला भवानी' में

आम्रपाली दुबे की नई भोजपुरी भक्ति फिल्म 'मां शीतला भवानी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। करीब चार मिनट के ट्रेलर में एक ओर जहां शीतला माता की भक्ति और शक्ति है, वहीं परिवार और ससुराल में संघर्ष कर रही उनकी भक्त की कहानी है। 'हनुमान अंश' की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद जहां बॉलीवुड में 'रामायण' की रिलीज की तैयारी हो रही है, वहीं भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में भी एक नई भक्ति ड्रामा फिल्म 'मां शीतला भवानी' आ रही है। शनिवार को इसका करीब चार मिनट का ट्रेलर रिलीज किया गया है। भोजवुड की सुपरस्टार एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे की यह फिल्म शीतला माता की भक्ति में लीन एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो जन्म से ही बोल नहीं सकती। धार्मिक और पौराणिक कहानियों पर आधारित इस फिल्म में आस्था के साथ ही पारिवारिक संघर्ष की गाथा है। आम्रपाली दुबे जहां इन दिनों 'बग बॉस 20' में नजर आ रही हैं, वहीं इस नई फिल्म में उनकी झलक ने फैस को उत्साहित कर दिया है। रौशन सिंह, एसआरके म्यूजिक प्रा. लि. और शान्ची म्यूजिक प्रा. लि. के बैनर तले बनी इस फिल्म को संजय श्रीवास्तव ने डायरेक्ट किया है। तीन मिनट 53 सेकंड के ट्रेलर का शुरुआत आम्रपाली दुबे से होती है। हम देखते हैं कि वह एक ऐसे किरदार में हैं, जिसके जन्म को शीतला माता का आशीर्वाद माना जाता है। लेकिन वह पैदाइश से ही बोल नहीं सकती।

चटख रंगों का अंदाज

इस साल परिधान जगत के दिग्गजों जैसे क्लोए, वेलेंटिनो और सेलीन ने अपने पतझड़ और सर्दियों के परिधान संग्रह में चटख रंगों की छटा को पूरी तरह बरकरार रखा है। पेरिस में प्रदर्शन मंच यानी कैटवॉक पर भूरे और समुद्री नीले जैसे कुछ पारंपरिक मौसमी रंग तो दिखाई दिए ही, साथ ही कई ऐसे नए और मनमोहक रंग भी देखने को मिले जो पतझड़ के पारंपरिक परिवेश के साथ बहुत ही खूबसूरती से मेल खाते हैं और आपके अंदाज को एक नया आकर्षण प्रदान करते हैं।



धूप से झुलसी त्वचा को राहत देगा खीरा, निखरेगा आपका सौंदर्य

सन टैन एक ऐसा समस्या है, जिसका सामना हम सप्ताह न कभी न कभी किया ही है। जब किसी को सन टैन की समस्या होती है तो इससे स्किन में जलन, इरिटेशन व दर्द की समस्या हो सकती है। यूं तो सन टैन की समस्या को दूर करने के लिए मार्केट में कई तरह की क्रोमस मिलती हैं, लेकिन अगर आप चाहें तो नेचुरल तरीके से भी अपनी स्किन को राहत पहुंचा सकते हैं। इसमें खीरा आपके काफी काम आ सकता है। यूं तो खीरे का उपयोग टैनिंग को दूर करने के लिए नहीं किया जाता है, लेकिन खीरे के सुदिंग और हाइड्रेटिंग गुण यकीनन आपके लिए मददगार हो सकते हैं। खीरे का उपयोग धूप के कारण होने वाली जलन की परेशानी को कम करने और अत्यधिक धूप के प्रभाव को कम करने के लिए किया जा सकता है। सन टैन होने पर स्किन को ठंडक की काफी जरूरत होती है। ऐसे में खीरे और गुलाब जल को मिक्स करके इस्तेमाल करना अच्छा विचार है। सन टैन को रिमूव करने के लिए सबसे पहले खीरे को कद्दूस करें और उसका रस निकाल लें। अब एक चम्मच गुलाब जल और खीरे का रस डालकर मिक्स करें। अब आप कॉटन बॉल की मदद से इसे स्किन पर लगाएं। थोड़ी देर तक इसे ऐसे ही रहने दें और फिर उसे ठंडे पानी से धो लें। इससे यकीनन आपको काफी अच्छा लगेगा। खीरे के साथ नींबू के रस का इस्तेमाल करने से भी सन टैन को दूर किया जा सकता है। नींबू में मौजूद विटामिन एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है। साथ ही, इसमें मौजूद एसिड स्किन से सन टैन को हटाता है। सबसे पहले आप खीरे को कद्दूस करके उसका रस निकाल लें। अब इसमें थोड़ा सा नींबू का रस निचोड़ें और फिर उसे मिक्स करें। अब आप एक कॉटन बॉल की मदद से इसे स्किन पर



लगाएं। कुछ देर तक ऐसे ही छोड़ दें और फिर स्किन को साफ करें। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो ऐसे में आप नींबू के रस की जगह टमाटर के रस का इस्तेमाल करें। जब खीरे और एलोवेरा जेल को मिक्स किया जाता है तो इससे सन टैन से काफी राहत मिलती है। सबसे पहले खीरे को धोकर छील व काट लें। अब खीरे के टुकड़ों को ब्लेंड करें। जब यह पेस्ट बन जाए तो इसमें थोड़ा सा एलोवेरा जेल डालकर मिक्स करें। अब इसे अपने सनटैन एरिया पर लगाएं और कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। करीबन 15-20 मिनट बाद पानी की मदद से अपनी स्किन को साफ करें।

बालों में प्याज का रस लगाने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

प्याज का रस बालों में लगाने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं। जब इसका इस्तेमाल बालों में किया जाता है तो बालों को पोषण देने और उसे झड़ने से रोकने में मदद मिलती है। यह सच है कि प्याज का रस बालों के लिए लाभदायक है, लेकिन इसे इस्तेमाल करते समय आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखना चाहिए। प्याज का रस बालों व स्कैल्प के लिए बेहद ही लाभकारी है, लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना जरूरी होता है। हमेशा ध्यान रखें कि आप इसे डाइल्यूट करके ही अपने बालों में इस्तेमाल करें। आप एक भाग प्याज का रस और दो से तीन भाग तेल डालकर मिक्स करें। इसके बाद ही आप प्याज का रस बालों में लगाएं। आप प्याज के रस में नारियल तेल या जैतून तेल मिक्स कर सकते हैं। अगर आप पहली बार प्याज का रस अपनी स्कैल्प पर लगा रही हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप एक बार पैच टेस्ट जरूर करें। इससे आपको किसी भी तरह के एलर्जिक रिएक्शन और स्किन सेंसिटिविटी के बारे में पता चलेगा।



एक बार प्याज का रस एक छोटे से एरिया पर लगाने के बाद आप कम से कम 24 घंटे इंतजार करें जिससे कि कोई नेगेटिव रिएक्शन न हो। अगर आप चाहती हैं कि प्याज का रस इस्तेमाल करने से आपको अधिकतम लाभ मिले, तो हमेशा फ्रेश प्याज के रस का ही इस्तेमाल करें। दरअसल, हवा के संपर्क में आने के कारण समय के साथ प्याज के रस की क्षमता कम हो जाती है। आप प्याज को पीसें या मिक्स करें। बाद में, आप एक महीन छलनी या सूती कपड़े का उपयोग करके रस को छान लें। प्याज का रस जब आप बालों में लगाती हैं तो उसे लगाने का तरीका भी सही होना चाहिए।

कार्नर न्यूज

बूट्स पहनना कोई कठिन काम नहीं है। क्योंकि मुझे बूट्स बहुत पसंद हैं, शायद आप भी यही बात कहें। बूट्स पहनने वाले पुरुषों का एक दमदार रूआब दिखाता है। मगर ये बात आपके बूट्स पहनने के तरीके पर निर्भर करती है। अगर सही ढंग से नहीं पहने तो मजाक भी उड़ सकता है। इसलिए सामान्य जूतों की तुलना में बूट्स को कैरी करना थोड़ा पेचीदा है, लेकिन नामुमकिन नहीं। जिस तरह आप जूते पहनने की गलती को समझ गए हैं, वैसे ही अब बूट्स पहनने के नियम जान लें ताकि आप किसी प्रकार की फैशन मिस्टेक न करें। इसके बाद आप भी बूट्स में धांसू नजर आ सकेंगे। बूट्स भी एक नहीं, स्टाइल-डिजाइन और कलर के आधार पर कई प्रकार के होते हैं। यहां पर आपको कुछ कॉमन बूट्स के बारे में बता देता हूँ— कॉम्बेट बूट्स, लेस अप बूट्स, एंकेल बूट्स, बाइकर बूट्स, चेल्सा बूट्स और टिंबरलैंड बूट्स। कई बूट्स वजन के आधार पर भी निर्भर करते हैं। उनको आप वेट के आधार पर बांट सकते हैं, जैसे— हवी बूट्स और लो वेट बूट्स।



जब मन किया और जिसके साथ मन किया, उसके साथ बूट्स को नहीं पहन सकते हैं। कभी भी बूट्स को फॉर्मल ड्रेस के साथ पहनने की गलती न करें। साथ ही एथनिक ड्रेस के साथ भी न पहनें। इसे फैशन मिस्टेक माना जाता है। इसलिए बाइकिंग यानी ट्रेवेलिंग के दौरान बूट्स को पहनकर जा सकते हैं। इसके लिए बाइकर बूट्स सही माने जाते हैं। बूट्स पहनने वालों को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए। बूट्स के साथ परफेक्ट साइज और लेंथ वाली पैट ही पहनें। कभी भी बूट्स के साथ एंकेल पैट न पहनें और न ही बहुत लंबी पैट पहननी चाहिए। ऐसी पैट पहनें, जो कि आपके बूट्स के ऊपरी हिस्से को कवर कर सके। लेंथ वाली जींस को आप स्नीकर्स या किसी अन्य शूज के साथ पहन सकते हैं। लेकिन बूट्स पहनने का नियम कहता है कि जींस की लेंथ को मोड़ दें। एक या दो बार लेंथ को फोल्ड कर देने से बूट्स का लुक निखरकर आता है। बूट्स भी जूतों की तरह कई रंग के मिलते हैं।



मगर शूज का कलर मैचिंग करें। किसी भी तरह की ड्रेस के साथ किसी भी रंग के बूट्स को नहीं पहन सकते। अगर ज्यादा कंप्यूजन हो रहा है तो कॉमन कलर के बूट्स (साला, भूरा, मरून) लें। इनको आप अधिकतर ड्रेस के साथ आसानी से मैच कर सकते हैं। आपने देखा होगा या खुद कभी न कभी ये गलती कर दी होगी। पुरुष मोजे पहनते समय गलती करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। इसलिए ध्यान रहे कि बूट्स के साथ हमेशा एंकेल लेंथ वाले मोजे पहनें। ऐसे सॉक्स न पहनें, जो कि जूते से बाहर दिखाई पड़ें।

पारंपरिक साड़ी में भी पाएं आधुनिक और ग्लैमरस रूप



साड़ी फैशन आजकल चलन में है और साड़ी के साथ मैचिंग ब्लाउज को पहना जाता है। आए दिन फैशन ट्रेंड तेजी के साथ बदल रहा है और कुछ नया मार्केट में देखने को नजर आ रहा है। ऐसे में साड़ी का चलन कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है और इसे तरह-तरह से स्टाइल किया जाता है। सेलेब्रिटी लुक की बात करें तो आजकल एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के साड़ी डिजाइंस काफी चलन में हैं। तो चलिए देखते हैं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के कुछ स्टाइलिश ब्लाउज डिजाइंस, जिन्हें आप आसानी से पहनकर अपने साड़ी लुक को खास बना सकती हैं, साथ ही इन्हें स्टाइल करने के आसान तरीके भी जान सकती हैं। अगर आप बंद गले के ब्लाउज पहनना पसंद करती हैं तो इस तरह के गले से लगे हुए टर्टल नेक ब्लाउज डिजाइन को आप पहन सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज के साथ आप स्लीवलेस बाजू बनवाएं। साथ ही आप ज्वेलरी को स्किप भी कर सकती हैं। बोल्ड और मॉडर्न लुक पाना चाहती हैं तो इस तरह का ब्रालेट डिजाइन का ब्लाउज आपके लुक को आकर्षक बनाने में मदद करेगा। इस तरीके के हवी वर्क वाले ब्लाउज आपको मार्केट में रेडीमेड भी आसानी से मिल जाएंगे। ऐसा पर्ल या बीड्स डिजाइन खासकर पेस्टल कलर की साड़ी के साथ खूबसूरत नजर आता है। सिंपल डिजाइन वाले नेक लाइन पहनना पसंद करती हैं तो इस तरीके के गोल गले वाले ब्लाउज आपके लुक को खास बनाने में मदद करेंगे। इस तरीके की नेक लाइन आप सिल्क साड़ी के साथ ट्राई करें। स्टाइलिंग की बात करें तो गले में हवी स्टेटमेंट चोकर और मैचिंग इयररिंग्स को पहनें। इंडो-वेस्टर्न या मॉडर्न लुक पाना चाहती हैं तो प्लेन साड़ी के साथ इस तरीके का स्लीवलेस ब्लाउज आप ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके की नेकलाइन को आप साटन से लेकर शिफॉन जैसी कई लाइट वेट साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं।



मेकअप स्पंज की सफाई में न करें ये बड़ी गलतियां, खराब हो सकती है आपकी

मेकअप करते हुए हम कई तरह के प्रोडक्ट्स व टूल्स का इस्तेमाल करते हैं और इनमें से एक है मेकअप स्पॉन्ज। यह एक ऐसा टूल है, जिसकी मदद से आप अपने मेकअप प्रोडक्ट्स को अपनी स्किन पर बेहतर तरीके से अप्लाइ कर पाती हैं। इतना ही नहीं, यह आपके महंगे व ब्रांडेड प्रोडक्ट्स को वेस्ट होने से भी रोकता है। जब आप मेकअप स्पॉन्ज को क्लीन करते हैं तो उसे पहले सोक करना जरूरी होता है। स्पॉन्ज को सोक करने से उस पर लगे मेकअप को लूज करने में मदद मिलती है और वह अधिक बेहतर तरीके से क्लीन होता है। हालांकि, कई बार हम मेकअप स्पॉन्ज को क्लीन करने से पहले उसे सोक नहीं करते हैं, जिससे वह उतना अच्छी तरह क्लीन नहीं हो पाता है। मेकअप स्पॉन्ज को क्लीन करते समय क्लींजर की जरूरत पड़ती है, लेकिन आप किस तरह के क्लींजर का इस्तेमाल कर रहे हैं, इसका आपके ख्याल रखना चाहिए। कई बार हम हार्श साबुन या डिश डिटरजेंट आदि का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ऐसा करने से मेकअप स्पॉन्ज बहुत ही जल्दी खराब हो जाता है। इतना ही नहीं, इस तरह के हार्श क्लींजर आपको स्किन



को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके लिए किसी जेंटल और फ्रैगरेंस फ्री स्पॉन्ज क्लीनर से ही मेकअप स्पॉन्ज को साफ करें। ऐसा माना जाता है कि गर्म पानी से स्पॉन्ज को क्लीन करने से उसमें मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं, लेकिन अगर आप इस चक्कर में बहुत अधिक गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं तो इससे स्पॉन्ज को नुकसान होता है। यहां तक कि इससे उसका टेक्सचर भी खराब हो सकता है। इसलिए, हमेशा ध्यान रखें कि आप स्पॉन्ज को क्लीन करते समय गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

बूट्स पहनने के जरूरी नियम अपनाकर दिखें सबसे अलग

बूट्स से दमदार दिखता है आपका व्यक्तित्व, जींस के साथ मैचिंग के दौरान अपनाएं जरूरी टिप्स



जब मन किया और जिसके साथ मन किया, उसके साथ बूट्स को नहीं पहन सकते हैं। कभी भी बूट्स को फॉर्मल ड्रेस के साथ पहनने की गलती न करें। साथ ही एथनिक ड्रेस के साथ भी न पहनें। इसे फैशन मिस्टेक माना जाता है। इसलिए बाइकिंग यानी ट्रेवेलिंग के दौरान बूट्स को पहनकर जा सकते हैं। इसके लिए बाइकर बूट्स सही माने जाते हैं। बूट्स पहनने वालों को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए। बूट्स के साथ परफेक्ट साइज और लेंथ वाली पैट ही पहनें। कभी भी बूट्स के साथ एंकेल पैट न पहनें और न ही बहुत लंबी पैट पहननी चाहिए। ऐसी पैट पहनें, जो कि आपके बूट्स के ऊपरी हिस्से को कवर कर सके। लेंथ वाली जींस को आप स्नीकर्स या किसी अन्य शूज के साथ पहन सकते हैं। लेकिन बूट्स पहनने का नियम कहता है कि जींस की लेंथ को मोड़ दें। एक या दो बार लेंथ को फोल्ड कर देने से बूट्स का लुक निखरकर आता है। बूट्स भी जूतों की तरह कई रंग के मिलते हैं।



मगर शूज का कलर मैचिंग करें। किसी भी तरह की ड्रेस के साथ किसी भी रंग के बूट्स को नहीं पहन सकते। अगर ज्यादा कंप्यूजन हो रहा है तो कॉमन कलर के बूट्स (साला, भूरा, मरून) लें। इनको आप अधिकतर ड्रेस के साथ आसानी से मैच कर सकते हैं। आपने देखा होगा या खुद कभी न कभी ये गलती कर दी होगी। पुरुष मोजे पहनते समय गलती करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। इसलिए ध्यान रहे कि बूट्स के साथ हमेशा एंकेल लेंथ वाले मोजे पहनें। ऐसे सॉक्स न पहनें, जो कि जूते से बाहर दिखाई पड़ें।